छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 23 ■ अम्बिकापुर, रविवार 11 जनवरी 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

कोयला ट्रेडिंग के कारोबारी से 1.45 करोड़ से अधिक की ठगी

दंपती सहित 3 के विरूद्ध कोतवाली थाना पुलिस ने केस दर्ज किया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोयला ट्रेडिंग के कारोबारी से व्यवसाय के नाम पर एक करोड़ 45 लाख 23 हजार रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने दंपती सहित तीन लोगों के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है। पुराना बस स्टैंड निवासी बिजेन्द्र गुप्ता पिता मुंशी साव 63 वर्ष ने कोतवाली थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है कि उनका कोयला ट्रेडिंग का व्यवसाय है। बरेजपारा के ट्रांसपोर्टर शनि गोयल उनके यहां से कोयला ट्रांसपोर्टिंग का काम करते आ रहे हैं। बीते वर्ष शनि गोयल ने रायपुर के हेमन्त कुमार जैन से उनका परिचय कराया, जिनका रायपुर में भिक्षु ट्रेडर्स के नाम से थोक गल्ला का कारोबार है। वे हल्दी, चना, जीरा तथा सौंफ का मुख्यत: खरीद-बिक्री पूरे भारत वर्ष से मंदी-तेजी के आधार पर करते हैं। शनि गोयल के माध्यम से बातचीत होने पर हेमन्त कुमार जैन ने बताया कि उसका काम व्यापारियों से सौदा करना और उसका साला नवदीप रायपुर में रहकर माल लोडिंग-अनलोडिंग कराता है, लेन-देन का हिसाब उसकी पत्नि कविता जैन करती है। उन्होंने कहा कि मंदी-तेजी के खेल में पूंजी लगाकर अच्छा मुनाफा प्राप्त किया जा सकता है। हेमन्त जैन के बार-बार कहने पर वे चना, सौंफ, हल्दी, जीरा के मंदी-तेजी के बारे में कभी-कभार जिज्ञासावश पूछ लेते थे, जिसका फायदा उठाते हुए हेमन्त जैन की पत्नि और साला भी उन्हें फोन करके गल्ला कारोबार के बाजार के उतार-चढाव के बारे में बताते हुए कहा कि इस बार होली के तत्काल बाद चना और हल्दी के दाम में गिरावट आएगी और दो माह स्टाक रखने के बाद अचानक बाजार में तेजी आने से अच्छा मुनाफा होगा। इनके द्वारा चना और हल्दी के खरीदी में पूंजी लगाने पर अच्छा लाभांश मिलने की बात कही गई। हल्दी और चना का कारोबार कभी नहीं करने के कारण कोयला ट्रेडिंग के कारोबारी को मंदी-तेजी, खरीदी-बिक्री के बाजार की जानकारी नहीं थी, जिस कारण उन्होंने इसमें पूंजी लगाने से मना कर दिया। इसके बाद भी हेमन्त कुमार जैन, उनकी पत्नि और साला बार-बार फोन करके उक्त कारोबार में पैसा लगाने के लिए प्रेरित कर रहे थे।

एक प्रतिशत मासिक ब्याज पर मांगा था रकम

कारोबार में हाथ डालने से मना करने पर जैन बंधुओं ने 6 माह के लिए उधार में रकम एक प्रतिशत मासिक ब्याज पर मांगा। इनके द्वारा अपने कारोबार का मंडी लाइसेंस, जी.एस.टी. नंबर, फर्म भिक्षु ट्रेडर्स का बैंक खाता देकर भरोसे में लिया, इसके बाद बिजेन्द्र गुप्ता ने 03.04.2024 को 28 लाख 41 हजार रुपये, 18.04.2024 को 60 लाख रुपये और पत्नि के खाता से 02.04.2024 को 56 लाख 82 हजार रुपये, कुल 1 करोड़ 45 लाख 23 हजार रुपये आर.टी.जी.एस. के माध्यम से दे दिया। इसके बाद वे रकम वापस करने के नाम पर यह कहकर गुमराह करते रहे कि उनका खरीदी में लगाया हुआ पैसा फंस गया है, वापस मिलने पर ब्याज सहित वापस कर देगें। 6 माह का समय बीतने के बाद भी इन्होंने स्पष्ट जवाब नहीं दिया और फोन रिसीव करना बंद कर दिया।

धोखाधड़ी की ऐसे खुली पोल

कोयला ट्रेडिंग के कारोबारी ने संदेह होने पर अपने स्तर पर इनके बारे में रायपुर में पता किया तो ज्ञात हुआ कि तीनों थोक कारोबार का झांसा देकर बड़े पैमाने पर लोगों के साथ धोखाधड़ी किए हैं। कोतवाली पुलिस ने तीनों आरोपियों के विरूद्ध भादवि की धारा 34, 420 का मामला दर्ज किया है, और अग्रिम वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

रजिस्टर्ड अनुबंध के बाद बेच दिया जमीन, पुलिस ने केस दर्ज किया

रजिस्टर्ड अनुबंध करने के बाद बिना जानकारी दिए जमीन बिक्री करने का मामला प्रकाश में आया है, मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध अपराध दर्ज कर लिया है।

जानकारी के मुताबिक कोतवाली थाना अंबिकापुर अंतर्गत स्कूल रोड में हनुमान मंदिर के पास रहने वाली संगीता दुबे के पति संतोष धर दुबे का स्वर्गवास 15 अक्टूबर 2025 को हो गया है। उनके पति ने मायापुर स्थित भूमि खसरा नम्बर 1691/19, रकबा 0.028 हेक्टेयर में से 0.014 लगभग 3.5 डिस्मिल जमीन खरीदने के लिए दीपक गुप्ता, दीपा गुप्ता और सोनमति गुप्ता से 06 मार्च 2024 को सौदा तय किया और एडवांस के रूप में एक लाख 25 हजार रुपये नकद देकर रजिस्ट्रार कार्यालय अंबिकापुर में रजिस्ट्रर्ड एग्रीमेंट तैयार करवाया था। इनके द्वारा जमीन के कागजात में कुछ कमी बताते हुए कुछ दिनों के बाद जमीन की रजिस्ट्री कर देने के लिए कहा गया था। दीपक गुप्ता का उनके पति से परिचय हो गया और वह उनके साथ ही घूमता था और उन्हें विश्वास में लेकर अन्य जगह भी जमीन खरीदवाने के नाम पर पैसा लेकर दस्तावेज तैयार करवाने के बाद अपने पास ही रखता था। भरोसे के कारण स्व. संतोष धर दुबे के द्वारा जहां-जहां पैसा देकर जमीन लेने के लिए दस्तावेज तैयार करवाए थे उसे भी दीपक गुप्ता अपने पास ही रखा था। आरोप है कि पति की मृत्यु के बाद सभी कागजातों को इनके द्वारा गायब कर दिया गया और पूछने पर अपने पास कोई दस्तावेज नहीं होने की बात कहने लगा। दीपक गुप्ता के द्वारा उनके स्वर्गीय पति से पैसे की आवश्यकता है कहकर नकद 4 लाख रुपये 10.05.2024 को लिया गया। इधर पति की मृत्यु होते ही दीपक गुप्ता और दीपा गुप्ता उक्त जमीन को बिना जानकारी दिए अन्य व्यक्ति को बिक्री कर दिए। इसकी सूचना अन्य लोगों से मिलने पर बेवा महिला ने कोतवाली थाने में लिखित में आवेदन देकर आरोपितों के करतूत से अवगत कराया है, जिस पर पुलिस ने आरोपियों के विरूद्ध भादवि की धारा 34, 420 के तहत केस पंजीबद्ध कर लिया है।

युवती व दो युवकों ने चाकू मारकर अधेड़ को मौत के घाट उतारा

सीसीटीवी में कैद हुए संदेही युवती गिरफ्तार, दो अन्य फरार

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। शहर के गांधीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत शुक्रवार को देर रात वार्ड क्रमांक 7 में एक अधेड़ व्यक्ति की चाकू से हमला करके हत्या कर दी गई, शव सुबह लावारिस हाल में मिला। घटना की जानकारी वार्ड के पार्षद विपिन पांडेय ने गांधीनगर थाना में दी, इसके बाद पुलिस व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरु की। मृतक के सीने में चाकू से वार करने के निशान मिले हैं। पुलिस ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीव्ही का फुटेज चेक किया तो एक युवती व 2 युवक हत्या की वारदात को अंजाम देते नजर आए। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने युवती को खोज निकाला और उसे गिरफ्तार कर लिया है।

सीसीटीव्ही फुटेज में युवती कहती दिखाई दे रही है कि तू मेरे को हाथ कैसे लगाया, तू जानता नहीं है कि मैं कौन हूं। इसके बाद उसकी चाकू से वार करके सुनियोजित तरीके से हत्या कर दी गई। पुलिस फरार युवकों के तलाश में लगी है। गांधीनगर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक की पहचान सुभाषनगर के वार्ड क्रमांक 2 में बाबरा पेट्रोल पम्प के सामने गली में रहने वाले पालपारा निवासी बबलू मंडल 50 वर्ष के रूप में हुई है। मृतक ठेला चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करता था। मृतक के पुत्र दीप मंडल 24 वर्ष का कहना है कि रात 10.30 बजे तक उसके पिता घर के पास ही बैठे थे। घटनास्थल पर वे कब और कैसे पहुंचे, उसे यह पता नहीं है। सुबह पिता का शव गांधीनगर के वार्ड क्रमांक 7 स्थित अंकिता एग सेंटर के पास पड़े रहने का पता चला। इसके बाद मोहल्लेवासियों और परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वह मौके पर पहुंचा था।

रात 11 से 12 बजे के बीच घटना को दिया अंजाम

घटना की सूचना मिलते ही नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल, गांधीनगर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार द्विवेदी सहित अन्य पुलिस कर्मी व फॉरेंसिक एक्सपर्ट की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच में मृतक के सीने में चाकू के गहरे वार के निशान मिले हैं। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पता चला कि रात को 11 से 12 बजे के बीच एक युवती सहित दो युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। पुलिस ने 12 घंटे के अंतराल में संदेही युवती को गिरफ्तार कर लिया है, आरोपी युवकों की तलाश जारी है। हत्या किस वजह से की गई यह फिलहाल अस्पष्ट है। बताया जा रहा है कि आरोपी युवती नशेड़ी प्रवृत्ति की है।

पार्षद ने कहा-बड़े पैमाने पर चल रहा नशे का कारोबार

वार्ड के पार्षद विपिन पांडेय का कहना है कि इलाके में बड़े पैमाने पर नशे का कारोबार चल रहा है। नशीली इंजेक्शन सहित शराब के नशे की गिरफ्त में युवक-युवती आ रहे हैं। पुलिस विभाग को नशे का कारोबार थमे, इस दिशा में ध्यान देने की जरूरत है। बहरहाल पुलिस ने शव का मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया है, और अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

जीईसी ने जीता एकीकृत क्रिकेट प्रतियोगिता का खिताब

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। छत्तीसगढ़ राज्य के तकनीकी शिक्षा अंतर्गत स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित एकीकृत क्रिकेट प्रतियोगिता में शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज (जीईसी) अंबिकापुर की टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए फाइनल मुकाबले में यूटीडी सीएसवीटीयू को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में खिलाड़ियों ने बेहतरीन टीम भावना, अनुशासन और खेल कौशल का प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान जीईसी अम्बिकापुर की टीम ने शानदार खेल दिखाते हुए सभी को प्रभावित किया। इस उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ. राम नारायण खरे एवं स्पोर्ट्स ऑफिसर मनोज कुमार देवांगन ने टीम को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा जीईसी अंबिकापुर की टीम ने उत्कृष्ट खेल भावना और मेहनत के दम पर यह उपलब्धि हासिल की है, यह पूरे कॉलेज के लिए गौरव का क्षण है।

मूक-बधिर युवती से दुष्कर्म, मामला दर्ज

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कोतवाली थाना अंतर्गत 24 वर्षीय मूक-बधिर युवती के साथ अज्ञात व्यक्ति के द्वारा दुष्कर्म का शर्मनाक मामला प्रकाश में आया है। युवती के गर्भवती होने पर पता बड़ी बहन के मायके आने पर चला। मूक-बधिर बहन ने इशारे में अपनी बड़ी बहन को पूरी घटना की जानकारी दी। घटना के समय पीड़िता कुआं की ओर पानी लेने गई थी, तभी किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी मजूबरी का फायदा उठाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया था। कोतवाली थाना पुलिस मामला दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई कर रही है।

संयुक्त संचालक ने शासकीय अस्पतालों का किया निरीक्षण, 25 कर्मचारी अनुपस्थित मिले

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. अनिल शुक्ला ने शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रघुनाथपुर का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बतौली में लैब में अव्यवस्थित स्यूटम स्लाइड पाए गए और टीबी मरीजों की काउंसलिंग की उपलब्धि कम रही। इसके अतिरिक्त, केंद्र में साफ-सफाई का अभाव था और राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आईईसी प्रदर्शन की कमी पाई गई। निरीक्षण दौरान 25 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिनके खिलाफ कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बरगीडीह में संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए गए और भवन सुधार के लिए भी कदम उठाने का आदेश दिया गया। इसके साथ ही, 102 की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया। यहां भी तीन कर्मचारी अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। संभागीय संयुक्त संचालक ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र रघुनाथपुर में सुरक्षा व्यवस्था और साफ-सफाई के सुधार के निर्देश दिए। महिला और पुरुष वार्ड में मरीजों की अलग-अलग भर्ती सुनिश्चित करने का आदेश दिया। अनुपस्थित कर्मचारियों के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने की बात उन्होंने कही है।

परिवहन विभाग को यात्री बसों की औचक जांच में मानकों की कमी मिली

30 बसों की जांच, 24 सुरक्षा के मामले में निर्धारित मानकों के विपरीत पाए गए

चेतावनी देकर 12500 रुपये समझौता शुल्क वसूला, आगे होगी कड़ी कार्रवाई

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। परिवहन विभाग द्वारा जनवरी माह को सड़क सुरक्षा माह के रूप में मनाया जा रहा है। इसी क्रम में विभाग द्वारा यात्री बसों की सघन जांच की जा रही है, जिसमें मुख्य रूप से बसों में अग्निशमन सुरक्षा, आपातकालीन दरवाजे, प्राथमिक उपचार पेटी जैसे विभिन्न बिंदुओं पर जांच की जा रही है।

क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी के नेतृत्व में 9 जनवरी को परिवहन उड़नदस्ता अंबिकापुर की टीम ने बस स्टैंड अंबिकापुर में यात्री बसों की औचक सघन जांच की। 30 बसों की जांच में 24 बसों में अग्निशामक, प्राथमिक उपचार पेटी निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाने पर चालानी कार्रवाई की गई और हिदायत के साथ 12 हजार 500 रुपये समझौता शुल्क वसूल किया गया। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी द्वारा वाहन स्वामियों को पाई गई कमियों को तत्काल सुधार करने के निर्देश दिए गए। आरटीओ विनय सोनी ने बताया कि पूर्व में की गई जांच के दौरान संबंधित वाहन स्वामियों को नोटिस जारी किया गया था। भविष्य में भी इस प्रकार की जांच कार्रवाई की जाएगी, और सुधार नहीं आने पर संबंधित बसों के विरूद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को हम सभी आत्मसात करें-सीएसपी

राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान सरगुजा एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा के संयुक्त तत्वावधान में संत हरकेवल शिक्षा महाविद्यालय में डॉ. शिव कुमार त्रिपाठी भूतपूर्व प्राचार्य राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के अध्यक्षता एवं नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल प्रशिक्षु आईपीएस के मुख्य आतिथ्य में राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के मौके पर नशामुक्ति, यातायात, साइबर अपराध एवं विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ गणपति भगवान और मां सरस्वती के समक्ष माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। महाविद्यालय के छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया।

प्राचार्य डॉ. अंजन सिंह ने स्वागत उद्बोधन देते हुए राष्ट्रीय युवा दिवस सप्ताह के औचित्य पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि नगर पुलिस अधीक्षक राहुल बंसल ने यातायात, साइबर अपराध एवं नशे की लत पर प्रकाश डालते हुए कहा कि स्वामी विवेकानंद के आदर्शों को हम सभी को आत्मसात करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भूतपूर्व प्राचार्य डॉ. शिव कुमार त्रिपाठी ने छात्र -छात्राओं को संयमित एवं अनुशासित जीवन जीने की सलाह दी। साथ ही कहा कि यातायात के प्रावधानों को बताने के साथ स्वयं पालन करना ही एक जिम्मेदार नागरिक का कर्तव्य है। पुष्प मित्र मल्तियार ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जरूरतमंदों एवं महिलाओं को दी जाने वाली सेवाओं के संबंध में विस्तार से बताया। नवा बिहान के संयोजक मंगल पाण्डेय ने युवाओं के सशक्तिकरण में नवा बिहान नशामुक्ति जागरूकता अभियान द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला। नशामुक्ति एवं सामाजिक बदलाव में युवाओं की सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। अनिल कुमार मिश्रा ने कहा कि अनुशासन मानव जीवन का मूल मंत्र है। इस पर यदि हम काम करें तो समस्या रहित समाज का निर्माण करने में अपना योगदान दे सकेंगे। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी ने कहा कि युवाओं में आक्रामकता या फिर अकर्मण्यता का बढ़ता प्रतिशत चिन्ता का विषय है, ये दोनों प्रवृत्ति घातक हैं। इससे बाहर निकलने का माध्यम, ध्यान, योग, विवेक युक्त ज्ञान अच्छे लोगों का संगत है, जो उपयोगी जीवन का आधार बना सकता है। बीके विद्या बहन ने आध्यात्म और वर्तमान जीवन को सुसंगत करते हुए सारगर्भित उद्बोधन दिया। अतिथियों का आभार प्रदर्शन प्राध्यापिका पूजा दुबे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में समस्त प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाओं, बीएड प्रथम वर्ष तथा डीएलएड प्रथम वर्ष के समस्त प्रशिक्षणार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

नशे की हालत में बाइक चलाने वालों पर 20 हजार अर्थदंड

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। यातायात नियमों का अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना मणीपुर पुलिस टीम ने चेकिंग दौरान बुलेट क्रमांक सीजी 15 सीजेड 1954 के चालक आकाश सोनी पिता राजू सोनी 25 वर्ष, निवासी महामाया चौक के पास एवं बाइक क्रमांक सीजी 14 एमटी 0699 के चालक बन्नू दास पिता नैन दास 32 वर्ष निवासी बरढोढ़ी को ब्रेथ ऐनालाइजर से चेक किया, जिसमें शराब के नशे में होकर वाहन चलाना पाया गया। पुलिस ने वाहन चालकों के खिलाफ धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्रवाई कर मामला न्यायालय के समक्ष पेश किया था, जिसमें न्यायालय द्वारा दोनों आरोपियों के खिलाफ 10-10 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया है।

अग्रवाल सभा बिश्रामपुर की नई कार्यकारिणी घोषित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। श्री अग्रवाल सभा बिश्रामपुर के नवनियुक्त अध्यक्ष मोहन लाल अग्रवाल ने नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

घोषित कार्यकारिणी में संरक्षक सुभाष गोयल, सतपाल तायल, खजान चन्द जिंदल, मार्गदर्शक आत्मा राम मित्तल, तोलाराम जैन, सज्जन गोयल, उपाध्यक्ष जयभगवान अग्रवाल, ललित गोयल, बाबूलाल दनोदिया, पवन अग्रवाल पोन्नी, राजकुमार गोयल उर्फ राजू, महामंत्री अशोक अग्रवाल शोक्की, कोषाध्यक्ष अशोक जिन्दल, सचिव प्रदीप गोयल, राजेश मित्तल, जगदीश सिंघल, जतिन तायल, विधिक सलाहकार व प्रवक्ता प्रदीप गर्ग, वित्तीय सलाहकार मयंक कुमार गोयल, सलाहकार सदस्य श्यामलाल गोयल, कृष्णा कुमार जिंदल, रमेश गर्ग, केके सिंघल, कृष्णा कुमार बंसल, उमेश अग्रवाल, कृष्णा गोयल बल्लू, दीपक गोयल, कार्यकारिणी सदस्य विष्णु अग्रवाल, गौरव मित्तल, राजेश मित्तल, अजय कुमार मित्तल, पवन मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

600 करोड़ खर्च फिर भी नलों से आ रहा नाली का पानी, निगम की सैंपलिंग शून्य

रायपुर। एजेंसी। राजधानी रायपुर में शुद्ध पेयजल आपूर्ति के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। शहर के कई इलाकों में नलों से गंदा, बदबूदार और दूषित पानी आ रहा है, लेकिन अब तक नगर निगम की ओर से पानी की सैंपलिंग शुरू नहीं की गई है। जबकि शहर की बड़ी आबादी निगम की जल आपूर्ति पर निर्भर है और कई कॉलोनियों में बिना जांच के बोरवेल का पानी भी उपयोग में लाया जा रहा है। यह स्थिति सीधे तौर पर आमजन की सेहत से जुड़ा गंभीर मामला बन गई है।

कचना हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में पिछले एक महीने से हालात कि नल खोलते ही गटर जैसी दुर्गंध फैल जाती है और कई बार पानी में काले कण व गंदगी तैरती नजर आती है। बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएं सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। कई घरों में उल्टी-दस्त, पेट दर्द और बुखार के मामले बढ़ गए हैं।

गायत्रीनगर, कचना हाउसिंग बोर्ड, टिकरापारा और शंकरनगर सहित कई इलाकों से लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। रहवासियों का कहना है पानी मंगवाना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ साल पहले इसी इलाके में दूषित पानी पीने से एक महिला की मौत भी हो चुकी है, लेकिन इसके बाद भी कोई स्थायी समाधान नहीं किया गया।

बेहद खराब बने हुए हैं। लोग मजबूरी में पानी उबालकर पी रहे हैं, फिर भी बीमारियां कम नहीं हो रही हैं। कई परिवारों को नहाने तक के लिए बाहर से रहवासियों का आरोप है कि कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन सीधे सीवर चेंबर के भीतर से गुजर रही है। लीकेज होने पर नाली का गंदा पानी सीधे सप्लाई लाइन में मिल जाता है। बारिश के मौसम में जलभराव के कारण यह खतरा और बढ़ जाता है। इसके बावजूद न तो ड्रेनेज सिस्टम सुधारा जा रहा है और न ही जर्जर पाइपलाइन बदली जा रही है।

इंदौर में पेयजल में बैक्टीरिया मिलने और जनहानि की घटनाओं के बाद वहां रोजाना 200 से 300 सैंपलों की जांच की जा रही है। इसके विपरीत रायपुर में दर्जनों शिकायतों के बावजूद न सैंपल लिए जा रहे हैं और न ही कोई रिपोर्ट सार्वजनिक की जा रही है।

नगर निगम और स्मार्ट सिटी कंपनी ने अमृत मिशन योजना के तहत पांच वर्षों में 600 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए। दावा किया गया कि 46 टंकियों में से 22 कमांड एरिया में नई पाइपलाइन बिछाई गई और 70 वार्डों की 18 से 20 लाख आबादी को शुद्ध पानी मिलेगा। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि लीकेज की समस्या जस की तस बनी हुई है और लोगों के घरों तक दूषित पानी पहुंच रहा है।

नवीन पाठ्य पुस्तकों पर शिक्षकों का हुआ पांच दिवसीय प्रशिक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। विकासखंड सूरजपुर में नवीन पाठ्यपुस्तकों पर आधारित कक्षा पहली से तीसरी तक अध्यापन कराने वाले प्राथमिक शाला के शिक्षकों का पांच दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न हुआ। प्रशिक्षण कार्यक्रम को तीन जोनों लटोरी, विश्रामपुर और कन्या विश्रामपुर में विभाजित कर आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में प्राथमिक शालाओं के 270 शिक्षकों ने भाग लिया। प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स चंद्रकला कुशवाहा, जीवंती एक्का, पंकज एक्का, राजेश जायसवाल, मेरी रोशन लकड़ा, सुनीता यादव, बसंत मंडल, सुनीता भगत, सरिता तिर्की ने सभी प्रशिक्षणार्थियों को अपने-अपने जोन में प्रशिक्षण दिया। डीईओ अजय मिश्रा ने कहा कि कक्षा पहली से तीसरी तक की नवीन पाठ्यपुस्तकें बच्चों में आधारभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता को सुदृढ़ करने हेतु तैयार की गई हैं। ये पुस्तकें बाल-केंद्रित एवं गतिविधि आधारित हैं, जिससे सीखना सहज और रुचिकर बनता है। ये नवीन पाठ्यपुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति में सहायक हैं। प्राचार्य आशीष कुमार भट्टाचार्य ने कहा कि कक्षा 1 से 3 की नवीन पाठ्यपुस्तकें बच्चों के शैक्षणिक एवं नैतिक विकास की मजबूत नींव रखती हैं।

इन पुस्तकों के माध्यम से बच्चों में समझ, जिज्ञासा और रचनात्मक सोच का विकास होगी। विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण एवं आनंददायक शिक्षण को बढ़ावा देने में ये पुस्तकें अत्यंत उपयोगी हैं। बीईओ हरेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि नवीन पाठ्यपुस्तकें शिक्षकों को गतिविधि आधारित शिक्षण अपनाने में सहयोग प्रदान करेंगी। बीआरसी मनोज कुमार मंडल ने कहा कि ये पुस्तकें लक्ष्यों की प्राप्ति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।प्रशिक्षण प्रभारी के रूप में गौरी शंकर पांडेय, जितेंद्र तिवारी, पंकज सिंह, सुधीर पटेल, कीर्ति कौशल दुबे, संतोष बड़ा व अन्य सक्रिय रहे।

कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने जिला मुख्यालय सारंगढ़ में निर्माणाधीन भवन कार्यों का किया औचक निरीक्षण

सारंगढ़ बिलाईगढ़, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने जिला मुख्यालय सारंगढ़ में निर्माणाधीन कलेक्टोरेट सयुंक्त जिला कार्यालय (कंपोजिट बिल्डिंग) एसडीएम और तहसील कार्यालय भवन निर्माण का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ड्राइंग डिजाइन के अनुसार निर्माण निर्माणाधीन कंपोजिट बिल्डिंग को पूरी गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश संबंधित कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग पी एल पैकरा एवं ठेकेदार को दिए। इसके बाद डॉ कन्नौजे ने खेलभांठा मैदान में निर्माणाधीन मंच निर्माण कार्य का निरीक्षण कर कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए। इसी प्रकार कलेक्टर डॉ कन्नौजे ने आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के हॉस्टल के जीर्णोद्धार कार्य का अवलोकन किया और एसडीओ ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को जल्द से जल्द कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

गैंगरेप में डायल 112 का ड्राइवर भी शामिल, 2 गिरफ्तार

कोरबा। एजेंसी। एसईसीएल के एक मकान में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। पुलिस की इमरजेंसी सेवा डायल 112 के चालक की भी संलिप्तता पाई गई है, जिसने दोस्तों के साथ मिलकर आठ जनवरी की रात बाकी मोगरा थाना क्षेत्र की एक युवती को अपना शिकार बनाया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

पुलिस के अनुसार दुष्कर्म की घटना में कुल पांच लोग शामिल थे। इनमें से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि तीन अभी फरार हैं। आनन-फानन में पीड़िता को उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया। वहीं सिविल लाइन थाना में एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की गई है।

दर्री सीएसपी विमल पाठक ने बताया कि डायल 112 के चालक को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी चालक कांट्रेक्चुअल बेसिस पर कार्यरत था।

मकर संक्रांति पर्व की तैयारी जोरों पर, 14 जनवरी से विष्णु महायज्ञ

धमतरी, छ.ग. फ्रंटलाइन। नगरी, महर्षि श्रृंगि ऋषि की तपोस्थली महेंद्रगिरी पर्वत सिहावा में मकर संक्रांति पर्व के अवसर पर तीन दिवसीय विष्णु महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिवस 14 जनवरी को शाम संत स्वागत, देव स्वागत एवं बेदी पूजन किया जाएगा। द्वितीय दिवस 15 जनवरी ब्रह्म मुहूर्त में मकर स्नान, महाआरती एवं यज्ञ हवन किया जाएगा। तृतीय दिवस 16 जनवरी दोपहर पूर्णाहुति, महाआरती,संत एवं देव बिदाई किया जाएगा। तीनों दिवस भंडारा का आयोजन श्रृंगी ऋषि विकास समिति द्वारा किया जाएगा। समिति के अध्यक्ष संजय सारथी ने बताया कि प्रतिवर्ष मकर सक्रांति के अवसर पर आयोजित होने वाले इस महायज्ञ में दूर दूर से सन्तान की कामना लेकर श्रद्धालू सम्मिलित होते है जिसकी तैयारी में समिति जुटा हुआ है। आयोजन समिति के संरक्षक राजेश यदु, नारायण पटेल , अंजोर सिंह निषाद, दीपक यदु ,अध्यक्ष संजय सारथी, उपाध्यक्ष रामकुर साहू, केदार नाथ मार्कण्डेय, मंशा राम गौर, सचिव चंद्रकांत शांडिल्य, कोषाध्यक्ष दिनेश निषाद, देव समिति अध्यक्ष देवव्रत गौतम,विशेष सहयोगी हृदय भंडारी, नारद निषाद, रामभरोश ध्रुव, हालधर शार्दुल, संपत यदु,संतोष पटेल, यशवंत नाग, तुकाराम साहू, विजय निषाद,भरत निर्मलकर,राजेश पटेल,लकेश पटेल, जितेंद्र पटेल, सोहन प्रजापति, सुरेश प्रजापति, केशव पटेल, पुखराज नाग, प्रकाश प्रजापति, मोनू पटेल, सहित ग्राम पंडरी पानी, सोनमगर, गढ़िया पारा, भीतरराश, सिर सिदा , रावण सिंघी, हीरापुर, शिवपुर, डोंगरी पारा, प्रेमनगर, सिहावा के ग्रामीण जन तैयारी में लगे हुए हैं।

रायपुर नगर निगम द्वारा राजधानी में विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से सुरक्षा देने अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। प्रदेश की राजधानी रायपुर शहर में शीतलहर से आमजनों को सुरक्षा और त्वरित राहत देने नगर पालिक निगम के जोन कार्यालयों के माध्यम से जयस्तम्भ चौक के समीप, रेल्वे स्टेशन के पास, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी, महोबा बाजार हॉट बाजार, परमानन्द नगर कोटा, सत्यम विहार कॉलोनी रायपुरा, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर, बड़ा अशोक नगर, रोटरी नगर, टाटीबंध चौक के समीप, शंकर नगर, अवन्ति विहार कॉलोनी सहित राजधानी शहर में लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. नगर निगम रायपुर द्वारा विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों पर प्रतिदिन नियमित अलाव जलाने की व्यवस्था देने से इससे शहर के निवासी प्रतिदिन सैकड़ों आमजनों को लगातार बढ़ती शीतलहर से सहज बचाव सहित त्वरित राहत मिल रही है।

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और आयुक्त श्री विश्वदीप के निर्देश पर जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों के माध्यम से महादेवघाट रायपुरा श्री हनुमान मन्दिर के समीप और महोबा बाजार हॉट बाजार, मेकाहारा परिसर, पुराना बस स्टेण्ड पंडरी चंगोराभाठा बाजार, ब्रम्हदेईपारा,शिक्षक कॉलोनी डंगनिया, खमतराई चौक के पास, जयस्तम्भ चौक के पास, रायपुर जिलाधीश परिसर के सामने डॉ भीम राव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल चौक के पास, नेताजी सुभाष स्टेडियम परिसर के पास, मोतीबाग, डंगनिया पानी टंकी स्कूल के समीप, शंकर नगर चौपाटी, तेलीबाँधा तालाब मरीन ड्राइव, अंतर राज्यीय बस स्टैण्ड भाठागांव, भाठागांव चौक के समीप, कुकरीपारा, दूधाधारी मठ मार्ग, सरोना, चंदनीडीह, कबीर नगर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी फेस-2, हीरापुर चौक सुलभ शौचालय काम्प्लेक्स के समीप , कबीर चौक रामनगर, गीतांजलि नगर शंकर नगर, जगन्नाथ चौक रामनगर, प्रियदर्शिनी नगर, भाठागांव, नगर पालिक निगम जोन 9 कार्यालय परिसर के समीप मोवा, नगर निगम जोन 10 कार्यालय और अन्य लगभग 30 से भी अधिक विभिन्न प्रमुख सार्वजनिक स्थानों में आमजनों को शीतलहर से रायपुर शहर क्षेत्र में सुरक्षा और त्वरित राहत देने सार्वजनिक अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है. शीतलहर की सम्पूर्ण अवधि के दौरान आमजनों को राहत देने जोन कार्यालयों के माध्यम से प्रतिदिन नियमित विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में अलाव जलाने की प्रतिदिन नियमित व्यवस्था दी जा रही है।

जिला अस्पताल बालोद में कैफे मिलेटेरिया का हुआ शुभारंभ

बालोद, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिला अस्पताल परिसर बालोद में आज कैफे मिलेटेरिया शुभारंभ हुआ। कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने फीता काटकर इस कैफे का उद्घाटन किया और संचालन करने वाली महिलाओं को कैफे का बेहतर संचालन हेतु शुभकामनाएं दीं। इस मिलेट कैफे की सबसे बड़ी विशेषता इसकी सुलभता और किफायती दर है। यहाँ आने वाले मरीजों के परिजनों और आम नागरिकों को मात्र 50 रुपये में मिलेट आधारित भोजन की थाली उपलब्ध होगी। इसके अलावा अन्य स्वास्थ्यवर्धक मिलेट व्यंजन भी मेन्यू में शामिल रहेंगे। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत पंजीकृत ''शांति स्व-सहायता समूह'' की महिलाओं को इस कैफे के संचालन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय की साथी परियोजना और नगर पालिका परिषद बालोद के सहयोग से स्थापित यह कैफे महिलाओं को स्थायी रोजगार और नियमित आय प्रदान करेगा। जिला अस्पताल प्रबंधन ने इस पुनीत कार्य के लिए परिसर में नि:शुल्क स्थान उपलब्ध कराया है।

एक ही गोत्र में शादी की मिली मिली थी सजा, 2 साल तक घुट-घुटकर जीने को मजबूर था परिवार

रायपुर। एजेंसी। कोंडागांव की एक आदिवासी महिला और उसके पति को एक ही गोत्र में विवाह करने पर सामाजिक बहिष्कार झेलना पड़ा। समाज ने दंपती पर अलग रहने का दबाव बनाया, गांव से निकालने की धमकी दी और सामाजिक बहिष्कार कर दिया। दो वर्षों तक दंपती अपमान, डर और तिरस्कार के बीच जीवन जीने को मजबूर रहा। महिला ने बताया कि बहिष्कार के बाद उनसे बातचीत बंद कर दी गई, त्योहारों और सामाजिक कार्यक्रमों में प्रवेश रोक दिया गया। बच्चों को स्कूल में ताने सुनने पड़े और राशन लाने तक में परेशानी हुई। गांव में रहते हुए भी दोनों को अलग-थलग कर दिया गया। समाज के लोगों ने स्पष्ट कह दिया था कि या तो अलग रहो या गांव छोड़ दो।

मामला राज्य महिला आयोग तक पहुंचने के बाद दंपती को राहत मिली। आयोग के निर्देश पर सुनवाई के दौरान अनावेदकगणों ने आवेदिका को 60 हजार रुपये लौटाए। पति ने साथ रहने की सहमति दी। सभी ने विवाह में बाधा न डालने और सामाजिक बहिष्कार न करने का आश्वासन दिया। उल्लंघन की स्थिति में एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार रहेगा।

मामला राज्य महिला आयोग तक पहुंचने के बाद दंपती को राहत मिली। आयोग के निर्देश पर सुनवाई के दौरान अनावेदकगणों ने आवेदिका को 60 हजार रुपये लौटाए। पति ने साथ रहने की सहमति दी। सभी ने विवाह में बाधा न डालने और सामाजिक बहिष्कार न करने का आश्वासन दिया। उल्लंघन की स्थिति में एफआईआर दर्ज कराने का अधिकार रहेगा।

एक अन्य प्रकरण में आरोपित अनावेदक द्वारा कार्यस्थल पर प्रताड़ना, व्हाट्सएप संदेशों के जरिए निजी जीवन में दखल और कार्यालय समय के बाद बैठने के दबाव की शिकायत पर राज्य महिला आयोग ने कलेक्टर कोंडागांव से जांच प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति तलब की है। आयोग ने उभय पक्षों को अगली सुनवाई में उपस्थित होने के निर्देश दिए। आवेदिका के अनुसार आरोपित द्वारा व्हाट्सएप पर कारण बताओ पत्र भेजकर और लगातार संदेश कर परेशान किया गया। संलग्न चैट रिपोर्ट से निजी जीवन में हस्तक्षेप की पुष्टि होने पर आयोग ने जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई तय करने की बात कही।

एक अन्य मामले में शासकीय अस्पताल भाटापारा में नर्स के रूप में कार्यरत आवेदिका से ड्यूटी हैंडओवर के मुद्दे पर दुर्व्यवहार की शिकायत पर आयोग ने कड़ी समझाइश दी। आरोपित ने भविष्य में शिकायत या उत्पीड़न न करने की लिखित स्वीकृति दी। आयोग ने पुनरावृत्ति होने पर एफआईआर दर्ज कराए जाने की जानकारी दी और इस स्तर पर प्रकरण नस्तीबद्ध किया गया।

तीसरे प्रकरण में दहेज के लिए प्रताड़ना की शिकायत पर उभय पक्षों को सुना गया। सहमति से सुलहनामा के आधार पर तलाक के एवज में आवेदिका को एकमुश्त 15 लाख रुपये भरण-पोषण देने पर सहमति बनी। आयोग ने सहमति दर्ज कर मामले के निराकरण की प्रक्रिया आगे बढ़ाई।

ग्रामीण, आदिवासी, श्रमिक, प्रवासी, युवाओं का नाम जोड़ने के लिए पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाने सीईओ को कांग्रेस ने ज्ञापन सौंपा

रायपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ में चल रहे मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में विशेष रूप से ग्रामीण, आदिवासी, श्रमिक, प्रवासी, युवाओं का नाम जोड़ने के लिए वार्ड तथा पंचायत स्तर पर विशेष शिविर लगाने के लिए एक ज्ञापन दिया है।

पूर्व विधायक कुलदीप जुनेजा सहित कांग्रेसजनों ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी से मांग की है, धान कटाई के पश्चात विभिन्न अंचलों के लोग बाहर चले गए हैं, वहीं सलवा जुडुम के कारण कई आदिवासी परिवार विस्थापित हो गए हैं।

भारत निर्वाचन आयोग के दिए गए ज्ञापन के अनुसार छत्तीसगढ़ में सम्पन्न एस.आई.आर. निर्वाचक नामावालियों का विशेष गहन पुनिरीक्षण कार्यक्रम का ड्राफ्ट मतदाता सूची अनेक पात्र मतदाताओं के नाम विभिन्न कारणों से दर्ज नहीं हो पाया है, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों, आदिवासी अंचलों, श्रमिक वर्ग, प्रवासी नागरिकों, युवाओं तथा नव पंजीकरण योग्य मतदाताओं को इस प्रक्रिया में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा है। दस्तावेजों की कमी, जानकारी के अभाव, तकनीकी समस्याओं के कारण कई ऐसे नागरिक, जो संविधान द्वारा प्रदत्त मताधिकार के पूर्ण रूप से पात्र हैं, मतदाता सूची से वंचित रहने की स्थिति में हैं। यह स्थिति लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए चिंताजनक है।

लिखित शिकायत में ज्ञापन में बताया गया है कि प्रदेश में खरीब फसल कटते ही लोग कमाने खाने हेतु अन्य प्रदेश में चले गये हैं। बस्तर के नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सलवा जुडुम के विस्थापित आदिवासी अन्य प्रदेश में चले गये हैं। बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा क्षेत्र के छुरा विकासखण्ड अंतर्गत भालूकोना, ग्रामपंचायत रसेला के करीमाटी, ग्रामपंचायत कुरेदार के आमापारा, ग्रामपंचायत रूआड के लाडभरा, बीजापानी, ग्रामपंचायत मुढ़ीपानी के जीडार, बेचुरीपारा, चुरीपारा, काचरपारा, मुढ़ीपानी, तामरपारा, ग्रामपंचायत पंडरीपानी गोड के ठेलकादादर, मखनापारा, चिन्दोली, छतरमंडी, ग्रामपंचायत कोठीगांव के नवाडीह, सरायपानी, घोनटपानी, ग्रामपंचायत दादरगांव नया के पलेमा, कोन्दामाल, कलमीडीह, ग्रामपंचायत दादरगांव के फूलबहरा, ग्रामपंचायत कनसिंगी, ग्रामपंचायत केंवटीझार के मातरबहरा, परसापानी, ग्रामपंचायत भरवामुड़ा के हीराबातर, पंडरीपानी, कोकदाछेदा, ग्रामपंचायत सेमरा के छतरपुर, सेनबहरा, ग्रामपंचायत मेडकीडबरी के सलीहापारा, सरगीपारा, सगवनभाडी गांव पूरे के पूरे लोग तलाश में उड़ीसा सहित अन्य प्रदेशों में विस्थापित हो गये हैं। लोग रोजगार की अत: छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल, आपसे आग्रह करता है कि, उक्त क्षेत्रों में विशेष प्रक्रिया निर्धारित करते हुए ग्राम पंचायत, वार्ड एवं बूथ स्तर पर विशेष शिविर लगाकर पात्र मतदाताओं का जोडने की सुविधा प्रदान की जाए।

महासमुंद जिले में बिहान योजना के तहत 30 महिला आजीविका दुकानों का शुभारंभ

महासमुंद, छ.ग. फ्रंटलाइन। जिले में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए आज बिहान योजना अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों द्वारा संचालित 30 आजीविका दुकानों का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हेमंत नंदनवार द्वारा 6 दुकानों का विधिवत उद्घाटन किया गया। प्रत्येक विकासखंड से 6-6 दुकानों का शुभारंभ किया गया है। इन दुकानों के माध्यम से महिला समूह की सदस्य न केवल स्वरोजगार से जुड़ेंगी, बल्कि अपने जीवन स्तर में भी निरंतर सुधार करेंगी। ये दुकानें महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों के लिए सीधे बाजार के रूप में भी कार्य करेंगी, जिससे उन्हें अपने उत्पादों के विक्रय के लिए किसी बिचौलिये पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।जिला पंचायत सीईओ श्री नंदनवार द्वारा यह नवाचार की शुरुआत की गई, जिसका नाम आजीविका 150 रखा गया है। इस नवाचार के अंतर्गत आगामी 3 माह में पूरे जिले में 150 आजीविका दुकानों के शुभारंभ का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। आज 30 दुकानों के उद्घाटन के साथ इस योजना के प्रथम चरण की शुरुआत हो गई है।आज जिन स्थानों पर दुकानों का शुभारंभ हुआ, उनमें बागबाहरा, खल्लारी, तेंदुकोना, महासमुंद के मोंगरा तथा पिथौरा के गढ़बेड़ा शामिल हैं। बागबाहरा विकासखंड के क्लस्टर खल्लारी में जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री हेमंत नंदनवार ने बिहान बाजार का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर सीईओ श्री नंदनवार ने समूह की महिलाओं की बधाई दी। शुभारंभ अवसर पर जय मां शीतला महिला स्वयं सहायता समूह द्वारा ग्राम बोईरगांव में प्रारंभ की गई फैंसी एवं कपड़ा दुकान के खुलने पर समूह की महिलाओं ने प्रसन्नता व्यक्त की और शासन एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। इस पहल से ग्रामीण क्षेत्र में महिलाओं को स्व-रोजगार के अवसर मिलने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी।इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री हेमंत नंदनवार ने कहा कि बिहान मिशन का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं और युवाओं को संगठित कर उन्हें सशक्त, आत्मनिर्भर एवं आर्थिक रूप से मजबूत बनाना है। मिशन के अंतर्गत ऐसे बाजारों और स्व-रोजगार गतिविधियों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे ग्रामीण आजीविका में वृद्धि हो और स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन हो सके।

टीबी से घबराने की जरूरत नहीं, इलाज संभव : मंत्री लखनलाल देवांगन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । कोरबा जिले में टीबी उन्मूलन अभियान को सशक्त बनाने के उद्देश्य से आज उद्योग, वाणिज्य, श्रम, आबकारी एवं सार्वजनिक उपक्रम विभाग मंत्री लखनलाल देवांगन ने टीबी मरीजों को पोषण आहार किट का वितरण किया। उन्होंने मरीजों से आत्मीय बातचीत कर उनका हालचाल जाना और उपचार संबंधी आवश्यक सुझाव भी देते हुए कहा कि टीबी का उपचार पूरी तरह संभव है। अनुपयोगी खानपान और स्वास्थ्यकर आदतों के कारण यह बीमारी किसी को भी हो सकती है, लेकिन समय पर जांच और उपचार से इसे पूरी तरह ठीक किया जा सकता है। इससे घबराने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने कहा कि टीबी को जड़ से खत्म करने के लिए लगातार छह माह तक की नियमित दवा का सेवन आवश्यक है। इसलिए पीड़ित को उपचार अवधि में पूरक पोषण आहार, स्वच्छता और सावधानियों का पालन करना चाहिए ताकि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और इलाज अधिक प्रभावी हो सके। मंत्री ने सभी के शीघ्र स्वस्थ्य होने की कामना भी की। मंत्री देवांगन ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीबी जैसे रोग को जड़ से मिटाने का अभियान स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से संचालित हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निरन्तर प्रयास से प्रदेश में गांव से लेकर शहर तक टीबी सहित अन्य बीमारियों के रोकथाम और उपचार के लिए सतत प्रयास जारी है। उन्होंने कहा कि कोरबा जिले में स्वास्थ्य विभाग द्वारा सर्वाजनिक उपक्रमों के सहयोग से टीबी उन्मूलन की दिशा में एक सशक्त अभियान चलाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री की घोषणा : मंडी शुल्क में छूट की अवधि एक साल बढ़ाई गई

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के नीजि रिसॉर्ट में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने चावल निर्यातकों को बड़ी सौगात दी है। मंडी शुल्क में छूट की अवधि एक साल बढ़ाई है। इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के दौरान सीएम साय ने की घोषणा से चावल निर्यातकों और किसान दोनों के लिए बड़ी सौगात है। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और दंतेवाड़ा में ऑर्गेनिक चावल की खेती हो रही है, जिसे और प्रोत्साहन देने की आवश्यकता है।

छत्तीसगढ़ से चावल के एक्सपोर्ट को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट का यह दूसरा संस्करण अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस आयोजन में 12 देशों के बायर्स तथा 6 देशों के एम्बेसी प्रतिनिधिमंडल की उपस्थिति से छत्तीसगढ़ को अंतरराष्ट्रीय पहचान मिलने में मदद मिलेगी। उन्होंने छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर सभी विदेशी मेहमानों का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने छत्तीसगढ़ को सोच-समझकर ह्रधान का कटोराह्व कहा था और आज प्रदेश इस नाम की सार्थकता सिद्ध कर रहा है। चावल छत्तीसगढ़ के खानपान का अभिन्न हिस्सा रहा है और यहां हजारों

किस्मों की धान की प्रजातियां उगाई जाती हैं। सरगुजा अंचल के सुगंधित जीराफूल और दुबराज जैसे चावलों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि इनकी खुशबू दूर से ही पहचान में आ जाती है। छतीसगढ़ से चावल के एक्सपोर्ट को बढ़ावा मिलेगा। चावल निर्यातक लंबे समय से मंडी शुल्क में छूट की मांग कर रहे थे। पिछले साल भी सरकार ने दी थी, छूट दिसंबर 2025 में मंडी शुल्क में छूट की अवधि खत्म हो रही थी।

छत्तीसगढ़ से 90 देशों को करीब एक लाख टन चावल का किया जा रहा है निर्यात

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की नई औद्योगिक नीति के अंतर्गत लघु उद्योगों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे चावल के प्रसंस्करण और निर्यात को मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ से वर्तमान में लगभग 90 देशों को करीब एक लाख टन चावल का निर्यात किया जा रहा है। सरकार निर्यातकों के सहयोग के लिए सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में किसानों से 3100 रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। पिछले वर्ष 149 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई थी और इस वर्ष भी खरीदी में वृद्धि की संभावना है। इस दौरान मुख्यमंत्री ने केंद्र व राज्य शासन द्वारा किसानों के हित में संचालित योजनाओं की जानकारी भी साझा की।

मुख्यमंत्री ने चावल पर केन्द्रित प्रदर्शनी का किया अवलोकन

इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के दौरान मुख्यमंत्री साय ने चावल पर केन्द्रित प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न किस्मों के चावल, क्षेत्र विशेष में उत्पादित प्रजातियों, चावल उत्पादन में हो रहे नवाचारों तथा आधुनिक तकनीक के माध्यम से उत्पादकता बढ़ाने के प्रयासों की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने शासकीय स्टालों का भी निरीक्षण कर चावल के उत्पादन और विपणन को बढ़ावा देने से जुड़े कार्यों की सराहना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसे नवाचारों से चावल की पैदावार में वृद्धि होगी, जिससे किसानों को सीधा लाभ मिलेगा और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

पदोन्नति से वंचित कर्मचारियों को मिलेगा मौका, रिव्यू डीपीसी के निर्देश जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सत्र 2024-25 से अब तक जिला, संभाग और राज्य स्तर पर विभिन्न पदों पर अधिकारियों और कर्मचारियों की पदोन्नति की गई है। इस प्रक्रिया में जिन पात्र अधिकारी और कर्मचारी किसी कारणवश पदोन्नति से वंचित रह गए थे, उन्हें अब रिव्यू डीपीसी के माध्यम से पदोन्नति देने की तैयारी है। इस संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) ने प्रदेशभर के सभी संयुक्त संचालकों (जेडी) को पत्र जारी किया है। पत्र में निर्देश दिए गए हैं कि पदोन्नति के खिलाफ प्राप्त सभी अभ्यावेदनों का विधिवत परीक्षण किया जाए और पात्र मामलों का निराकरण करते हुए रिव्यू डीपीसी के लिए नामों की सूची भेजी जाए। डीपीआई ने स्पष्ट किया है कि जिला स्तर, संभाग स्तर और राज्य स्तर पर की गई पदोन्नतियों में यदि कोई पात्र अधिकारी या कर्मचारी छूट गया है, तो उसे रिव्यू डीपीसी के माध्यम से पदोन्नति प्रदान की जाएगी। जिन प्रकरणों में पदोन्नति संचालक या राज्य शासन स्तर से की जानी है, उन मामलों की जांच कर पात्र अभ्यावेदनों को रिव्यू डीपीसी के लिए संचालक, लोक शिक्षण को भेजना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

फेडरेशन ने रखी लंबित मांगें

इधर छत्तीसगढ़ सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के प्रांतीय अध्यक्ष रविंद्र राठौर के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डीपीआई से मुलाकात की। इस दौरान शिक्षकों और कर्मचारियों की लंबित मांगों पर चर्चा की गई और उनके शीघ्र निराकरण की मांग रखी गई। फेडरेशन ने विशेष रूप से रिव्यू डीपीसी के माध्यम से पदोन्नति के लिए प्राप्त अभ्यावेदनों पर गंभीरता से विचार करने और सभी पात्र शिक्षकों व कर्मचारियों को रिव्यू डीपीसी में शामिल करने की मांग की है। फेडरेशन का कहना है कि लंबे समय से पदोन्नति की प्रतीक्षा कर रहे कर्मचारियों को अब न्याय मिलना चाहिए।

IAS दीपक सोनी की केंद्र में प्रतिनियुक्ति, बने डायरेक्टर

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । बलौदा बाजार कलेक्टर दीपक सोनी को भारत सरकार ने पोस्टिंग दे दी है। वे जल्द ही यहां से रिलीव होकर केंद्र में ज्वाईनिंग देंगे। दीपक सोनी 2011 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। वे इस समय बलौदाबाजार कलेक्टर हैं। उन्होंने कुछ दिन पहले केंद्र में प्रतिनियुक्ति की इच्छा जताई थी। छत्तीसगढ़ सरकार के एनओसी मिलने के बाद भारत सरकार ने उन्हें वहां पदास्थपना दे दी है। दीपक को हेल्थ में डायरेक्टर बनाया गया है। 2011 बैच के छत्तीसगढ़ कैडर के वे डेपुटेशन पर जाने वाले दूसरे आईएएस अधिकारी हैं। उनसे

पहले इसी बैच के डॉ0 सर्वेश भूरे दो महीने पहले डेपुटेशन पर गए हैं। बता दें, दीपक सोनी रायपुर जिला पंचायत के सीईओ से सूरजपुर कलेक्टर बनाए गए थे। वे चार जिलों के कलेक्टर रह चुके हैं। उनका पहला जिला सूरजपुर था। उसके बाद दंतेवाड़ा, फिर कोंडागांव और इस समय बलौदा बाजार कलेक्टर हैं।

PHE विभाग में उप अभियंताओं की पदोन्नति व पदस्थापना सूची जारी

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर । छत्तीसगढ़ लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग में उप अभियंताओं की पदोन्नति और नई पदस्थापना की सूची जारी कर दी गई है। विभागीय आदेश के अनुसार राज्य के विभिन्न जिलों में कार्यरत अधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

जारी सूची के अनुसारः

विनोद कुमार सिंह को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड डोंगरगढ़ (यांत्रिकी) से स्थानांतरित कर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, राजनांदगांव (सिविल) उपखण्ड में पदस्थ किया गया है। रेवेन्द्र महोबिया को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड बालोद से पदोन्नत कर कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड धमतरी बनाया गया है। प्रमोद कुमार महतो को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड क्रमांक-1 बिलासपुर से स्थानांतरित कर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड चांपा भेजा गया है। डेमन लाल देशमुख को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड नारायणपुर से पदोन्नत कर कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड नारायणपुर की जिम्मेदारी दी गई है। रूपचंद सूर्यवंशी को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड कुरूद से पदोन्नत कर कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खण्ड गरियाबंद नियुक्त किया गया है। सत्यनारायण सिंह कंवर को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड कोरबा से लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड कोरबा में ही पदस्थ किया गया है। विमलेश कुमार सिंह को कार्यालय सहायक अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी उपखण्ड वाड्रफनगर भेजा गया है। विभाग का कहना है कि इन पदोन्नतियों और स्थानांतरण से प्रशासनिक कार्यों में तेजी आएगी और जलापूर्ति से जुड़े कार्यों के बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

सोमनाथ मंदिर के स्वाभिमान पर्व पर पूजा अर्चना कर ओंकार मंत्र का जाप किया गया

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। विश्व विख्यात गुजरात स्थित सोमनाथ मंदिर के स्वाभिमान पर्व पर आज रामानुजनगर बस स्टैंड के शिव मंदिर मंदिर में पूजा अर्चना कर ओंकार मंत्र का जाप किया गया। मोहम्मद गजनवी द्वारा जनवरी 1026 में इस आस्था और सभ्यता के महान प्रतीक पर किए गए बर्बर आक्रमण के 1000 वर्ष पूरे हो रहे हैं। भगवान सोमनाथ की इसी एक हजार वर्ष की सहनशीलता, पुनरूत्थान और निरंतरता को रेखांकित करने के लिए इस वर्ष को भाजपा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के रूप में मनाए जाने का निर्णय लिया है। एक हजार वर्ष के अपने उतार चढ़ाव के बाद भी यह

मंदिर अपनी भव्यता और गौरव के साथ खड़ा है। यह सोमनाथ को उसके वैभव में पुनः स्थापित करने के निरंतर एवं सामुहिक प्रयासों का प्रतीक है। मंदिर के पुनर्निर्माण के भी 75 साल पूरे हुए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर भाजपा द्वारा राष्ट्रव्यापी सोमनाथ स्वाभिमान पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर महामंत्री सौभाग्य दुबे आदिवासी मोर्चा के जिला महामंत्री सुंदर सिंह कोषाध्यक्ष विकास दुबे किसान मोर्चा प्रदेश कार्य समिति सदस्य आशुतोष दुबे मिडिया प्रभारी अनूप दुबे पूर्व कोषाध्यक्ष श्याम सुंदर राजवाड़े युवा मोर्चा के संजीव गुप्ता गणेश्वर सिंह रामानुजनगर के बुथ अध्यक्ष सुंदर सिंह आदि पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री की घोषणा : मंडी शुल्क में छूट की अवधि एक साल बढ़ाई गई

रायपुर । मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के नीजि रिसॉर्ट में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने चावल निर्यातकों को बड़ी सौगात दी है। मंडी शुल्क में छूट की अवधि एक साल बढ़ाई है। इंडिया इंटरनेशनल राइस समिट के दौरान सीएम साय ने की घोषणा से चावल निर्यातकों और किसान दोनों के लिए बड़ी सौगात है। साथ ही कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के क्षेत्रीय कार्यालय का भी शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में ऑर्गेनिक उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है और दंतेवाड़ा में ऑर्गेनिक चावल की खेती हो रही है।

रा. से. यो. पंचम दिवस बौद्धिक चर्चा में पहुंचे नागेंद्र उपाध्याय

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर के विशेष सात दिवसीय शिविर में राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित सेवा निवृत्त शिक्षक नागेंद्र उपाध्याय, डीएमसी मनोज साहू, शिक्षक यादवेन्द्र दुबे ने शिरकत कर स्वामी विवेकानंद के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर बौद्धिक चर्चा की शुरूआत की।

नागेंद्र उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में स्वयंसेवकों को स्वावलंबी बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आप लोग विज्ञान का सदुपयोग करें दुरूपयोग ना करें। समाज में मोबाइल के दुरुपयोग को रोकने पर विशेष बल दिया और कहा कि मनुष्य को किसी न किसी तरह से स्वावलंबी बनकर रोजगार मूलक कार्य करना चाहिए। मनोज साहू ने स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन अध्ययन और चिंतन का समय होता है। ऐसे समय में भी आप समाज सेवा के साथ साथ अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं। मनुष्य को ऐसा कार्य करना चाहिए कि वह घर के लिए, समाज के लिए एक मिसाल बन जाए। यादवेंद्र दुबे ने कहा कि मनुष्य को अपने मातृभूमि व धर्म से सदैव प्रेम होना चाहिए। उन्होंने गीता को आदर्श मानकर कहा कि आप सभी लोगों को गीता का अध्ययन करना चाहिए। धार्मिक किताबों के साथ-साथ इतिहास का अध्ययन करने पर जोर देते हुए कहा कि विकसित राष्ट्र की कल्पना आप अच्छी किताबों के अध्ययन तथा उच्च विचार और सच्ची लगन से ही कर सकते हैं। अंत में मुख्य अतिथि महोदय एवं अध्यक्ष महोदय ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंह मरावी ने किया।कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया।यह बौद्धिक चर्चा की पाठशाला बहुत ही प्रेरणादायक रही।

जमीन विवाद में चाचा समेत चार ने भतीजे को पीटा, दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। रहीमाबाद थाना क्षेत्र के ग्राम मुड़ियारा मजरा देवीखेड़ा में जमीन विवाद को लेकर एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़ित अरविंद कुमार ने अपने चाचा महेश, चाचा के भाई रूपचंद्र और दो अज्ञात लोगों पर गाली-गलौज, लाठी-डंडों से मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है।

अरविंद के अनुसार उसकी पुश्तैनी जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा है। आरोप है कि विपक्षी आए दिन दबाव बनाते रहते हैं। गुरुवार शाम करीब 8 बजे वह लखनऊ से बाइक से अपने घर लौट रहा था। इसी दौरान गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर दूर ककरहिया खेड़ा गांव के पास पहले से घात लगाए बैठे महेश, रूपचंद्र और उनके दो अज्ञात साथियों ने रास्ता रोक लिया और गाली-गलौज करते हुए

लाठी-डंडों से बेरहमी से पिटाई की। पीड़ित की चीख-पुकार सुनकर आसपास से गुजर रहे ग्रामीण मौके की ओर बढ़े तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। गंभीर रूप से घायल अरविंद को ग्रामीणों की मदद से मलिहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।

इस संबंध में रहीमाबाद इंस्पेक्टर अरुण कुमार त्रिगुणायक ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी महेश और रूपचंद्र को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बिजली तार चोरी गिरोह का भंडाफोड़, एक आरोपी गिरफ्तार

पूछताछ में कई वारदातों का किया खुलासा

जंगल में छिपाकर रखा जाता था चोरी का सामान

संवाददाता

लखनऊ। उत्तरी जोन की सर्विलांस टीम और मलिहाबाद पुलिस ने संयुक्त अभियान में मोबाइल टावरों व बिजली के तार/केबिल चोरी करने वाले एक शातिर अपराधी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का भारी मात्रा में सामान और वारदात में इस्तेमाल किए गए औजार बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई 3 जनवरी 2026 को इंडस टावर लिमिटेड के टेक्नीशियन अनुभव यादव की ओर से मलिहाबाद थाने में दर्ज कराई गई शिकायत के बाद की गई। शिकायत में बताया गया था कि 28/29 दिसंबर की रात मलिहाबाद नगर पंचायत के मुजासा गांव स्थित एयरटेल कंपनी के मोबाइल टावर से

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी विकास

विद्युत उपकरण और केबिल काटकर चोरी कर लिए गए थे। मामले में एफआईआर दर्ज कर पुलिस जांच में जुटी थी। मलिहाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि शुक्रवार को गश्त और अपराध नियंत्रण के दौरान माल रोड रेलवे क्रॉसिंग के पास मुखबिर से सूचना मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति कहीं जाने की फिराक में खड़ा है। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर विकास शुक्ला उर्फ बोर्नवीटा को गिरफ्तार किया। अभियुक्त उन्नाव जनपद के ग्राम पारा थाना मौरावां का निवासी है और वर्तमान में मलिहाबाद के गढ़ी संजर खां गांव स्थित अपनी ससुराल में रह रहा था। पूछताछ में अभियुक्त ने अपने साथियों सुनील रावत, यूनुस और बसंत लाल उर्फ बसंता के साथ मिलकर कई चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। उसने बताया कि बीते मई माह में महात्मा गांधी इंटर कॉलेज से बिजली तार, अगस्त में माधौपुर के एक खेत में बने टीनशेड के कमरे से समरसेबल पम्प, नवंबर में ढकवा गांव के तीन खंभों से तार, तथा रहीमाबाद के तेरवा गांव में दो नलकूपों से जुड़े करीब दस बिजली खंभों के तार चोरी किए गए थे। चोरी का सामान मुजासा गांव की नहर के पास जंगल में छिपाया जाता था। पुलिस ने अभियुक्त के पास से तीन बोरी बिजली के तार/केबिल, एक केबिल कटर, आरी ब्लेड, कटर प्लास और एक साइकिल ट्यूब बरामद की है। विकास शुक्ला के खिलाफ ठाकुरगंज, पीजीआई, आशियाना, पारा, रहीमाबाद, तालकटोरा और मलिहाबाद सहित कई थानों में विभिन्न धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जानकारी अन्य जिलों से भी जुटा रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है। वहीं फरार अन्य तीन आरोपियों की तलाश की जा रही है।

यूपी में जेलों पर मुख्यालय से नजर रखने के निर्देश

संवाददाता

लखनऊ। कन्नौज में दो कैदियों के भागने के बाद कारागार विभाग जेलों की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अधिक सतर्कता बरतेगा। शुक्रवार को कारागार मंत्री दारा सिंह चौहान ने समीक्षा बैठक में कारागारों में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता और प्रभावी संचालन को लेकर अधिकारियों को दिशा-निर्देश जारी किए। उन्होंने कहा कि संवेदनशील बंदियों की लाइव सीसीटीवी से लगातार निगरानी की जाए। मुख्यालय पर स्थापित एआई आधारित वीडियो वाल जार्विस से सभी जेलों के सीसीटीवी को जोड़कर अधिकारी भी सुरक्षा व्यवस्था का आकलन करते रहें। मंत्री ने कहा कि एआइ वीडियो वाल के माध्यम से 24 घंटे मुख्यालय से जेलों पर नजर रखी जाए। जिससे किसी भी तरह की लापरवाही की संभावना न रहे। उन्होंने जेलों में नए निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, विभागीय कार्रवाई, जेल वार्डर, हेड जेल वार्डर और डिप्टी जेलर की नियमित ड्यूटी परिवर्तन, आकस्मिक तलाशी, रात्रिकालीन गश्त को और अधिक सुदृढ़ किए जाने पर विशेष बल दिया। उन्होंने एक जेल एक उत्पाद योजना के तहत कारागारों में निर्मित उत्पादों को विभिन्न आयोजनों और सार्वजनिक मंचों के माध्यम से आमजन तक पहुंचाने के के निर्देश दिए। इससे जन-जागरूकता बढ़ाने और बंदियों के पुनर्वास को प्रोत्साहन मिल सकेगा। उन्होंने जेल अधीक्षकों को नियमित रूप से आकस्मिक निरीक्षण करने के निर्देश दिए और कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही से हुई घटनाओं में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। अधीक्षक नियमित रूप से परेड आयोजित कर बंदियों की समस्याएं सुनें, वृद्ध और बीमार बंदियों के मामलों में संवेदनशीलता के साथ समयपूर्व रिहाई का जल्द निस्तारण किया जाए। बैठक में महानिदेशक कारागार पीसी मीना भी मौजूद थे।

सम्पादकीय

दबाव की रणनीति पर उतरे खिसियाए ट्रंप

वर्तमान समय में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जिस प्रकार का व्यवहार कर रहे हैं, भारत सरकार उसका बहुत ही सूझबूझ और संयमित तरीके से जवाब दे रही है। चाहे वह टैरिफ की बात हो, रूस से तेल खरीदने का मामला हो या पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर ट्रंप द्वारा किए गए दावे का। लगता है इससे ट्रंप खिसिया गए हैं और बेतुकी बयानबाजी पर उतर आए हैं। ऐसी भाषा एक राष्ट्राध्यक्ष के तौर पर अशोभनीय है। दो राष्ट्राध्यक्षों या राजनयिकों के बीच वार्ता बेहद गुप्त होती है। इसे कभी भी, किसी भी रूप से उछाला नहीं जा सकता। दो देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच मुलाकात बेहद शालीनता और कूटनीति को दर्शाती है, लेकिन हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा भारत को लेकर की जा रही बयानबाजी किसी भी नजरिये से ठीक नहीं है। ऐसी भाषा न तो राजनयिक रूप से ठीक है और न ही एक राष्ट्राध्यक्ष के तौर पर। इसे अंतरराष्ट्रीय शिष्टाचार भी नहीं माना जा सकता। एक शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्ष के तौर पर ऐसी भाषा न तो देश के हित में होती है और न ही लोगों के हित में सही कही जा सकती है। बता दें कि ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे मुलाक़ात के लिए पूछा था कि सर, प्लीज़ क्या मैं आपसे मिल सकता हूं। मैंने हां कहा, क्योंकि मेरे उनके साथ बहुत अच्छे रिश्ते हैं। ट्रंप के इस बयान पर चर्चा हो रही है कि क्या भारत के प्रधानमंत्री ने अमेरिकी राष्ट्रपति से इस भाषा में बात की होगी? हालांकि भारत ने इस पर भी बेहद संयम बरता। इससे खिसियाए ट्रंप दबाव की रणनीति पर उतर आए हैं। हालांकि जर्मनी के एक अखबार की रिपोर्ट के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से चार बार फोन पर बात करने की कोशिश की थी, लेकिन भारत की तरफ से ट्रंप की फोन कॉल का कोई उत्तर नहीं दिया गया। यह रिपोर्ट उस समय आई थी, जब ट्रंप ने भारत से होने वाले आयात पर 50 फीसदी का भारी टैरिफ लगाया था। दरअसल, पहले ही भारत पर 50 फीसदी टैरिफ थोप चुके ट्रंप ने अब 500 फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इससे भारत, चीन और ब्राजील पर दबाव बढ़ेगा। ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री मोदी अच्छे आदमी हैं, लेकिन रूसी तेल खरीदने से वे नाराज हैं। हाल ही में ट्रंप ने कहा था कि मोदी जानते हैं कि मुझे खुश रखना जरूरी है। हम भारत पर टैरिफ बहुत जल्दी बढ़ा सकते हैं। ट्रंप ने ऐसे एक बिल को समर्थन दिया है। यह बिल जल्दी ही कांग्रेस में वोटिंग के लिए आ सकता है। अगर यह बिल कानून बन गया तो भारत के अमेरिका निर्यात पर बुरा असर पड़ेगा। इससे भारतीय सामान अमेरिका में बहुत महंगा हो जाएगा। इससे दोनों देशों के मध्य व्यापार को नुकसान होने का अंदेशा है। गौरतलब है कि भारत ने रूसी तेल आयात कम किया है। आंकड़े बताते हैं कि बीते दिसंबर माह में आयात काफी गिर गया, लेकिन पूरी तरह बंद नहीं हुआ है। ट्रंप की भाषा अक्सर कूटनीतिक और अंतरराष्ट्रीय शिष्टाचार के खिलाफ रहती है, क्योंकि वह अपने बयानों में आक्रामक, अनौपचारिक और व्यक्तिगत होते हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय संबंधों और प्रोटोकॉल का उल्लंघन होता है, लेकिन भारत सरकार ऐसे में बहुत ही सोच-समझकर निर्णय ले रही है। ऐसे में ट्रंप को भी समझना चाहिए कि वह अपनी अनर्गल बयानबाजी पर रोक लगाएं, क्योंकि ऐसी बयानबाजी राष्ट्र और लोगों के हित में नहीं होती है।

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

टैरिफ चुनौतियों के बीच बढ़ती अर्थव्यवस्था

सात जनवरी को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी वित्त वर्ष 2025-26 के अग्रिम अनुमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई गई है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि इस वित्तीय वर्ष के मजबूत आर्थिक आधारों से आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। उम्मीद करें कि ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित हुई 7.4 फीसदी वृद्धि दर के बेहतर आधारों से आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में देश में विभिन्न आर्थिक अनुकूलताएं दिखाई देंगी।

यकीनन यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ और घटते वैश्विक व्यापार के बीच भारत की अर्थव्यवस्था अनुमान से अधिक बढ़ने की प्रवृत्ति दिखा रही है। 7 जनवरी को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की ओर से जारी वित्त वर्ष 2025-26 के अग्रिम अनुमान में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 7.4 फीसदी की दर से बढ़ने की उम्मीद जताई गई है। पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी की वृद्धि दर 6.5 फीसदी रही थी। उल्लेखनीय है कि इस वित्तीय वर्ष के मजबूत आर्थिक आधारों से आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाएं उभरकर दिखाई दे रही हैं।

एक्सिस बैंक के मुताबिक आगामी वित्तीय वर्ष 2026-27 में भारत की विकास दर 7.5 फीसदी के ऊंचे स्तर पर पहुंचते हुए दिखाई दे सकेगी। वैश्विक निवेश फर्म इन्वेसको के मुताबिक 2026-27 में भी भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई देगा। खासतौर से वर्ष 2026 में घरेलू बाजार की मजबूती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए लाभप्रद होगी। वर्ष 2026 में भारत का घरेलू बाजार 10 फीसदी से अधिक की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ेगा और इस तेज गति से वर्ष 2030 तक भारत का घरेलू बाजार लगभग 237 अरब डॉलर की ऊंचाई पर पहुंच सकता है। वर्ष 2026 में महंगाई घटने, टैक्स सुधार और ब्याज दर में कमी से घरेलू बाजार को रफ्तार से बढ़ने के आधार मिलेंगे। जिस तरह नए ऐतिहासिक वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) सुधारों के तहत 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब वाले दो-स्तरीय जीएसटी को स्लैब लागू किया गया है, उसका लाभ वर्ष 2026 से उभरकर दिखने लगेगा। निश्चित रूप से वर्ष 2026 में जीएसटी सुधार देश के हर नागरिक के लिए एक बड़ा उपहार दिखाई देंगे। इसके साथ ही एक अप्रैल 2026 से लागू किया जाने वाला नया इनकम टैक्स कानून महज कुछ धाराओं के बदलाव ही नहीं, बल्कि पूरी टैक्स व्यवस्था के कायापलट के साथ अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाएगा। इससे मध्यम वर्ग के लोगों की क्रय शक्ति बढ़ेगी। उल्लेखनीय है कि हाल ही में 6 जनवरी को प्रकाशित आइआइएफएल कैपिटल की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) वर्ष 2026 में ब्याज दरों में 0.50 प्रतिशत की और कटौती कर सकता है। साथ ही कच्चे तेल की कीमतें भी कम हो सकती हैं। इसी तरह एसबीआई रिसर्च की हालिया रिपोर्ट के अनुसार कच्चे तेल की कीमतों के जून 2026 तक 50 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। सस्ते तेल से महंगाई 3.5 प्रतिशत से नीचे आ सकती है और विकास दर भी 7.45 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। साथ ही आयात बिल में भी कमी आएगी। कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने से पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कमी भी देखने को मिल सकती है।

ऐसे में वर्ष 2026 में भारतीय उपभोक्ताओं को महंगाई घटने और ब्याज दरों में कमी से खरीददारी में नई शक्ति मिलती हुई दिखाई देगी। पिछले माह दिसंबर 2025 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के द्वारा मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में रेपो रेट में की गई कटौती के बाद रेपो रेट अब 5.25 प्रतिशत हो गई । इस समीक्षा बैठक में कहा गया कि देश में महंगाई रिकॉर्ड निचले स्तर

2.2 फीसदी पर है। साथ ही रिजर्व बैंक ने जनवरी 2026 में बैंकिंग सिस्टम में पैसों की कमी को दूर करने, नकदी लंबे समय तक बनाए रखने के लिए 3 लाख करोड़ रुपये डालना सुनिश्चित किया है। निश्चित रूप से ब्याज दर घटने के कारण सस्ते कर्ज से वर्ष 2026 में आर्थिक गतिविधियों में तेजी की संभावना विकास दर को बढ़ाने के लिए सकारात्मक संदेश होगी और उपभोक्ता बाजार में चमक बढ़ेगी। इस समय जब भारत 5 जनवरी को ट्रंप के द्वारा भारत के लिए और टैरिफ बढ़ाने की धमकी तथा वैश्विक व्यापार अनिश्चितता के दौर में चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक रूप से आगे बढ़ रहा है, तब सस्ता कर्ज उद्योग-कारोबार और सर्विस सेक्टर को नई शक्ति देगा। भारतीय अर्थव्यवस्था की बुनियादी स्थिति को मजबूत बनाने, निवेशकों का विश्वास बढ़ाने, अर्थव्यवस्था को व्यापक आर्थिक विवेक से प्रबंधित करने, उद्यमियों को नीतिगत स्थिरता, नवाचार एवं वृहद आर्थिक नीति उपलब्ध कराने के मद्देनजर सस्ता कर्ज लाभप्रद होगा। सस्ते कर्ज के कारण विदेशी निवेश भी बढ़ेंगे। ग्रामीण मांग के साथ-साथ शहरी मांग में सुधार, मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर और सर्विस सेक्टर के विकास को बल मिलेगा। निसंदेह वर्ष 2026 में भारतीय अर्थव्यवस्था के तहत बढ़ते उद्योग-कारोबार, सर्विस सेक्टर, बुनियादी ढांचा, शेयर बाजार और मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति के कारण देश में जीएसटी और इनकम टैक्स संग्रहण में तेज वृद्धि होगी। मौजूदा वित्तीय वर्ष 2025-26 में अप्रैल से नवंबर 2025 के बीच जीएसटी संग्रह पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले बढ़कर 14.75 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसी प्रकार मौजूदा वित्त वर्ष 2025-26 में बीते हुए वर्ष से अधिक आयकर रिटर्न और अधिक आयकर प्राप्ति का परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए दिसंबर तक 8.44 करोड़ आयकर रिटर्न दाखिल किए गए हैं। यदि हम मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की ओर देखें तो पाते हैं कि भारत के द्वारा वर्ष 2025 में ब्रिटेन, ओमान और न्यूजीलैंड के साथ किए गए एफटीए का 2026 में कार्यान्वयन शुरू होगा। साथ ही नए वर्ष में अमेरिका, यूरोपीय यूनियन पेरू,चिली, आसियान, मैक्सिको, कनाडा, दक्षिण अफ्रीका, इजराइल, भारत गल्फ कंट्रीज काउंसिल सहित अन्य प्रमुख देशों के साथ भी एफटीए आकार लेते हुए दिखाई देंगे। इन सबके साथ-साथ नए वर्ष में मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ऑस्ट्रेलिया और चार यूरोपीय देशों आइसलैंड, स्विट्जरलैंड, नॉर्वे और लिकटेंस्टाइन के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (एफ्टा) के बीच हुए एफटीए के लाभ वर्ष 2025 की तुलना में अधिक मिलते हुए दिखाई देंगे। वर्ष 2026 में भारतीय शेयर बाजार रफ्तार से आगे बढ़ेगा। बड़ी संख्या में विदेशी निवेशकों का रुझान भारत की ओर बढ़ेगा। एक अप्रैल 2026 से नए श्रम कानून लागू होने से उद्योग-कारोबार व निर्यात बढ़ने का परिदृश्य उभरकर दिखाई देगा।

वर्ष 2026 में भारत के लिए बेहतर आर्थिक संभावनाएं हैं, लेकिन भारत को अपनी मजबूत आर्थिक गति को बनाए रखने के लिए वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के बीच घरेलू खपत बढ़ाने, रोजगार सृजन और राजकोषीय घाटे पर नियंत्रण के साथ आर्थिक सुधारों की डगर पर आगे बढ़ना होगा। उम्मीद करें कि ट्रंप की टैरिफ चुनौतियों के बीच चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनुमानित हुई 7.4 फीसदी वृद्धि दर के बेहतर आधारों से आगामी वित्त वर्ष 2026-27 में देश में विभिन्न आर्थिक अनुकूलताएं दिखाई देंगी। देश में महंगाई कम रहेगी, सर्विस सेक्टर निर्माण और विनिर्माण गतिविधियां मजबूत होंगी, निजी क्षेत्र की बेलेंस शीट दमदार रहेगी, डॉलर के मुकाबले रुपया मजबूत होगा और कर सुधार व ब्याज दर में कटौती से विकास दर को रफ्तार मिलेगी।

(लेखक प्रसिद्ध अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुद्दा

बाल मुकुन्द ओझा

कुत्तों का मूड नहीं, इंसानों की जान मायने रखती है

देश की सर्वोच्च अदालत आजकल डॉगलवर और डॉगहेटर की सुनवाई में व्यस्त है। आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उससे होने वाले हादसों पर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई करते हुए कहा कि यह मसला केवल कुत्तों के काटने तक सीमित नहीं है, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा और सड़क दुर्घटनाओं से भी जुड़ा है। दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें पेश कर रहे हैं। अदालत में कुत्तों के पक्ष और विपक्ष में दिलचस्प और अनूठी बहस सुनने को मिल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों के खतरे पर अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि यह नहीं पढ़ा जा सकता कि कोई कुत्ता कब काटने के मूड में है और कब नहीं। बहस के दौरान वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि कुत्ते सड़कों पर नहीं होते हैं तो सुप्रीम कोर्ट ने नाराज होते हुए कहा कि लगता है आपकी जानकारी पुरानी है। अदालत ने माना कि किसी भी व्यक्ति के लिए यह समझना संभव नहीं है कि कोई कुत्ता कब शांत रहेगा और कब अचानक आक्रामक हो सकता है। कुत्तों पर गुरुवार को भी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई जारी रही।

गौरतलब है 7 नवंबर 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, सरकारी दफ्तर और खेल परिसरों जैसे संवेदनशील स्थानों से आवारा कुत्तों को हटाया जाए। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में पिछले वर्ष कुत्तों के काटने के 37 लाख केस दर्ज हुए। इनमें 74 मौतें रेबीज से हुई। इस तरह दस हज़ार से अधिक लोग प्रतिदिन कुत्तों से काटने के शिकार हुए। हालांकि कोर्ट के फैसलों का जानवर प्रेमी लोगों ने विरोध किया है। देखा गया है कि देशभर के छोटे नगरों से लेकर बड़े मैट्रो शहरों में आवारा पशुओं के कातिलाना कहर की खबरें अक्सर मीडिया में सुर्खियां बनती रहती हैं, फिर भी उन पर लगाम नहीं कसी जा रही। सही तो यह है कि आवारा पशुओं का यह मुद्दा हमें देखने में छोटा लगता है, लेकिन है बड़ा गंभीर। आवारा कुत्ते भी लोगों की नाक में कम दम नहीं करते। बच्चे तो उन के डर से घर से बाहर तक नहीं निकल पाते। अब तो शहरों में गाय, भैंस या सांड ही क्यों, बंदरों का खौफ भी देखा जा रहा है। अस्पतालों में कुत्तों के अलावा बंदरों के काटने के बहुत से मामले सामने आने लगे हैं। आवारा पशुओं की समस्या पूरे देश में विकराल रूप ले रही है। आए दिन आवारा पशुओं की धमाचौकड़ी की चपेट में आकर निर्दोष लोग अपने हाथ-पैर तुड़वाने को मजबूर हैं तो वाहनों को भी नुकसान पहुंच रहा है। शहरी इलाकों में कुत्तों के साथ गायों के झुंड विचरण करते मिल ही जाएंगे। इस कारण न केवल लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है, बल्कि सड़कों पर गंदगी फैलती है। इन पशुओं से एक्सीडेंट की भी समस्या बढ़ रही है। गायों तथा सांडों के बड़े झुंड, बाजारों, गलियों, मुख्य सड़कों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर सरेआम टहलते हुए राहगीरों के लिए खतरा बने हुए हैं। आवारा पशुओं की भरमार एवं उनके आतंक के कारण रहवासियों को तरह-तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। आए दिन बाजार क्षेत्र में दुकानदारों को आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ता है। बाजार क्षेत्र सहित संकरी गलियों में कुत्तों, सांडों व आवारा पशुओं का निरंकुश होकर घूमना लोगों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इनके आपस में झगड़ने के कारण कई बुजुर्ग-महिलाएं एवं बच्चे भी इनकी चपेट में आने के कारण चोटिल हो जाते हैं। अक्सर खाद्य व सब्जी आदि की दुकानों पर भी यह मुंह मारते रहते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में समुचित सफाई नहीं होने और जगह-जगह कचरे के ढेर लग रहने से वहां आवारा मवेशियों का जमघट लगा रहता है। भयावह स्थिति तब बन जाती है, जब ये आवारा मवेशी मार्गों के किनारे लगे कचरे के ढेरों पर आपस में झगड़ते हैं।

कई बार तो बाजार क्षेत्र में भी इनके आपस में झगड़ने से यातायात बाधित होता है। दिन हो या रात, आवारा पशु सड़क पर झुंड बनाकर बैठ जाते हैं, जिससे लोगों का निकलना मुश्किल हो जाता है। कई बार तो स्थिति ऐसी बन जाती है कि लोगों को वाहन रोककर इन्हें हटाना पड़ता है, तब आगे का रास्ता खुलता है। आवारा पशुओं ने लोगों को परेशान कर दिया है। शहरी क्षेत्रों के मुख्य बाजार और कॉलोनियां के मार्गों पर जाकर अठखेलियां करने लगते हैं और दुर्घटना का कारण बनते हैं जिसके चलते प्रतिदिन कोई ना कोई दुर्घटना घटती रहती है। स्थिति रात के समय और भी घातक हो जाती है। इन आवारा पशुओं में से कुछ का रंग काला होने की वजह से किसी भी वाहन चालक के लिए दूर से इन्हें देख पाना बहुत मुश्किल होता है। कई वाहन चालक इनका शिकार बनकर मौत के मुंह में समा चुके हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

किसी भी कार्य में अपना सौ प्रतिशत लगाएं

हम इस दार्शनिक उलझन में पड़ गए हैं कि प्रभु करते हैं या हम करते हैं। क्या मैंने भी कुछ किया है या सबकुछ प्रभु ही कराते हैं? इसको समझना बहुत आवश्यक है। इस बात को समझे बिना, आध्यात्म के नाम पर हम क्या-क्या करते हैं। इसलिए, तथाकथित धार्मिक या आध्यात्मिक लोग बहुत समस्या पैदा करते हैं। स्वयं भी समस्या में उलझ जाते हैं और दूसरों के लिए भी समस्या पैदा कर देते हैं, क्योंकि उन्हें अकर्मण्यता पकड़ लेता है। एक विलक्षण शिव सूत्र है, 'उद्यमो भैरवः' भैरव शिव जी से ही प्रकट हुई शक्ति है। यदि आप किसी कार्य में संलग्न हैं तो उसमें अपना सौ प्रतिशत लगाएं। यही उद्यम है। ये आपको मुक्त कर देगा। जो काम करना है, उसके बारे में सोचकर बैठे रहने से कुछ नहीं होगा। करना है और छोड़ने के बारे में सोच रहे हैं तो वह भी नहीं होगा। जो करना है, वह पूरा करके समाप्त करें और जो छोड़ना है, उसे छोड़कर शांत हो जाएं। दोनों में सौ प्रतिशत लगाएं। उद्यमो भैरवः प्रयत्न भी भगवान ही है। यदि हमारे उद्यम से ही सारा लाभ प्राप्त हो जाए तो हर एक व्यक्ति सफल हो जाता। ऐसा तो नहीं होता है। जब आप कोई काम करते हैं तो कभी सफल होते हैं और कभी असफल होते हैं। एक आलसी व्यक्ति सब छोड़कर बैठ जाता है। जब होगा, तब होगा। और जो व्यक्ति ज्वर से पीड़ित है, वह करता ही जा रहा है। वह तनाव से भरा हुआ है। वह आशाओं के पत्थरों को सिर पर ढो रहा है। उसके भीतर विभिन्न प्रकार की नकारात्मक संवेदनाएं उत्पन्न होने लगती हैं। तो मार्ग क्या है? कहां है? तब बताते हैं, 'उद्यमो भैरवः'।

संकलित

दर्शन

जीवन में गुरु की आवश्यकता का महत्व

एक गाय घास चरने के लिए एक जंगल में चली गई। शाम ढलने के करीब थी। उसने देखा कि एक बाघ उसकी तरफ दबे पांव बढ़ रहा है। वह डर के मारे इधर-उधर भागने लगी। दौड़ते हुए गाय को सामने एक तालाब दिखाई दिया। घबराई हुई गाय उस तालाब के अंदर घुस गई। वह बाघ भी उसका पीछा करते हुए तालाब के अंदर घुस गया। उसमें पानी कम था और वह कीचड़ से भरा हुआ था। उन दोनों के बीच की दूरी काफी कम हुई थी। लेकिन अब वह कुछ नहीं कर पा रहे थे। वह गाय उस कीचड़ के अंदर धीरे-धीरे धंसने लगी। बाघ भीधीरे-धीरे कीचड़ के अंदर धंसने लगा। दोनों भी करीब करीब गले तक उस कीचड़ के अंदर फस गए। दोनों हिल भी नहीं पा रहे थे। गाय के करीब होने के बावजूद वह बाघ उसे पकड़ नहीं पा रहा था। थोड़ी देर बाद गाय ने उस बाघ से पूछा, क्या तुम्हारा कोई गुरु या मालिक है? बाघ ने गुर्राते हुए कहा, मैं तो जंगल का राजा हूं। मेरा कोई मालिक नहीं। मैं खुद ही जंगल का मालिक हूं। गाय ने कहा, लेकिन तुम्हारे उस शक्ति का यहां पर क्या उपयोग है? उस बाघ ने कहा, तुम भी तो फस गई हो और मरने के करीब हो। तुम्हारी भी तो हालत मेरे जैसी है। गाय ने मुस्कुराते हुए कहा, बिलकुल नहीं। मेरा मालिक जब शाम को घर आएगा और मुझे वहां पर नहीं पाएगा तो वह ढूंढते हुए यहां जरूर आएगा और मुझे इस कीचड़ से निकाल कर अपने घर ले जाएगा। तुम्हें कौन ले जाएगा? थोड़ी ही देर में सच में ही एक आदमी वहां पर आया और गाय को कीचड़ से निकालकर अपने घर ले गया।

संकलित

प्रेरणा

अंतर्मन

आज की पाती

बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा कैसे हो?

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहे हैं, वो हिंदुओं पर नहीं, बल्कि मानवता पर अत्याचार हो रहे हैं। इसके लिए वैसे तो सारी दुनिया को आगे आना चाहिए, लेकिन सवाल तो यह है कि बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या का जो घिनौना काम हो रहा है, उसके लिए भारत सरकार क्यों सख्त कदम नहीं उठा रही है? भारत सरकार को चाहिए कि वो वहां से हिंदुओं को सुरक्षित निकालने के उचित इंतजाम करे और सीएए अर्थात नागरिकता संशोधन अधिनियम के तहत इन्हें भारत में शरणार्थी बनाएं। दूसरी चीज, इस मुद्दे को जल्दी से जल्दी अंतरराष्ट्रीय मंच पर रखे और संयुक्त राष्ट्र संघ को वहां एक टीम गठित करने की मांग भारत सरकार को करनी चाहिए, लेकिन सवाल तो यह भी है कि क्या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऐसी स्थिति से निपटने के लिए कोई नियम नहीं है क्या?

- संजय पटेल, रायगढ़

ट्रेंड

एआई पर चर्चा

भारतीय स्टार्टअप जगत के युवाओं के साथ एआई पर चर्चा हुई। यह एक यादगार और ज्ञानवर्धक बातचीत थी, जिसमें उन्होंने भारत द्वारा एआई की दुनिया को बदलने के प्रयासों के बारे में अपने दृष्टिकोण और कार्यों को साझा किया।

- नरेंद्र सिंह, प्रधानमंत्री

अमर्यादित टिप्पणी

नेता प्रतिपक्ष सुश्री आतिशी द्वारा सदन में गुरु तेग बहादुर पर की गई अभद्र और अमर्यादित टिप्पणी से मैं आहत हूं और इसकी कड़ी निंदा करती हूं। इस मर्यादाहीन टिप्पणी से सिख समाज के साथ-साथ देशवासियों की भावनाएं आहत हुई हैं।

रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

अपराधियों को संरक्षण

मेरठ में माँ की हत्या और बेटी को उठाकर ले जाने का बेहद गंभीर मामला सामने आया है। भाजपा सरकार अपराधियों को संरक्षण देते-देते आज जिस स्तर पर पहुँच गयी है, वहाँ से वापस नहीं लौट सकती क्योंकि अपराधी उनके राज खोल देंगे।

-अखिलेश यादव, सांसद, सपा

युद्ध नशे के विरुद्ध

आज पंजाब में 'युद्ध नशे के विरुद्ध' सिर्फ नारा नहीं, ज़मीनी हकीकत है। पहले दूसरी पार्टियों के नेताओं के रिश्तेदार नशा बेचते थे, कोई उन्हें छूने की हिम्मत नहीं करता था। आज आम आदमी पार्टी की सरकार ने बड़े-बड़े नशा तस्करों को भी जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

सोमालिया को जारी सहायता निलंबित

अमेरिका ने सोमालिया की संघीय सरकार को दी जाने वाली सभी प्रकार की सहायता निलंबित कर दी है। विदेश मंत्रालय ने आरोप लगाया है कि सोमाली अधिकारियों ने विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के एक अमेरिकी वित्तपोषित गोदाम को ध्वस्त कर दिया और गरीब नागरिकों के लिए निर्धारित 76 मीट्रिक टन खाद्य सहायता जब्त कर ली। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ट्रंप प्रशासन जीवनरक्षक सहायता की बर्बादी, चोरी और दुरुपयोग के प्रति 'कतई बर्दाश्त नहीं' की नीति अपनाता है। बयान में कहा गया, विदेश मंत्रालय ने सोमाली संघीय सरकार को लाभ पहुंचाने वाले सभी मौजूदा अमेरिकी सहायता कार्यक्रमों को रोक दिया है। सहायता की बहाली इस बात पर निर्भर करेगी कि सोमाली संघीय सरकार अपने अस्वीकार्य कृत्यों की जिम्मेदारी लेती है और उपयुक्त सुधारात्मक कदम उठाती है। यह निलंबन ऐसे समय में किया गया है जब ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका में सोमाली शरणार्थियों और प्रवासियों की आलोचना तेज कर दी है। इसमें मिनेसोटा में बाल देखभाल केंद्रों से जुड़े कथित धोखाधड़ी मामलों को लेकर व्यापक रूप से प्रचारित करने के आरोप भी शामिल हैं।

ऑफ बीट

2026 में दक्षिणी आकाश में होंगी कई खगोलीय घटनाएं

वर्ष 2026 में दक्षिणी आकाश में खगोलीय घटनाओं की भरमार रहेगी- अनुकूल समय पर पूर्ण चंद्रग्रहण, ब्लू मून और सुपरमून, दो सबसे चमकीले ग्रहों का एक-दूसरे के बेहद करीब आना और दिन के समय चंद्रमा के पीछे बृहस्पति का ओझल होना खगोलविदों के आकर्षण का केंद्र होंगे। इनमें से एक को छोड़कर बाकी सभी घटनाएं सामान्य आंखों से देखी जा सकेंगी, यहां तक कि प्रकाश प्रदूषण वाले शहरों में भी। इन खास घटनाओं के अलावा, हर साल की तरह उल्का वर्षा और रात को तारामंडलों की परेड भी देखने को मिलेगी। हालांकि इन्हें ग्रामीण और अंधेरी जगहों से देखना बेहतर होता है, लेकिन इनमें से कई शहरों से भी दिखाई देंगी। वर्ष की कुछ प्रमुख खगोलीय घटनाओं का विवरण इस प्रकार है। मार्च, मई और दिसंबर में चंद्रमा की हलचल मंगलवार, तीन मार्च की शाम को चंद्रग्रहण होगा। इस दौरान पूर्णिमा का चंद्रमा पृथ्वी की छाया में प्रवेश करेगा और लाल या तांबे जैसे रंग का दिखाई दे सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि पृथ्वी का वायुमंडल सूर्य के प्रकाश को परावर्तित कर चंद्रमा तक पहुंचाता है और यह प्रकाश लाल रंग का होता है-जो दुनिया भर के सूर्योदय और सूर्यास्त की आभा जैसा होता है।

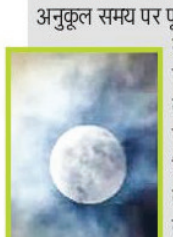

ईरान में तनावपूर्ण हालात के लिए खामनेई ने ट्रंप को ठहराया जिम्मेदार

बोले- घमंडी का होगा पतन, साजिशों के आगे झुकेंगे नहीं

एजेंसी ▶▶ तेहरान

ईरान में इन दिनों हालात काफी तनावपूर्ण बने हुए हैं। देशभर में सरकार के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इसी बीच शुक्रवार को ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई का एक भाषण सरकारी टीवी पर दिखाया गया, जिसमें उन्होंने देशव्यापी विरोध प्रदर्शनों पर बात की। इस दौरान उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर भी तीखा हमला बोला।

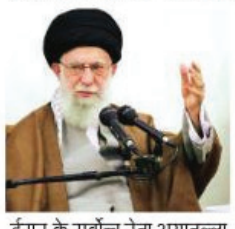
ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई

खामेनेई ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे ट्रंप को खुश करना चाहते हैं। अगर ट्रंप को किसी देश को चलाना आता, तो पहले अपने देश को ठीक से चलाते

ट्रंप दूसरे देशों के मामले में दखल दे रहे

इस दौरान तेहरान में चल रहे विरोध प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए खामेनेई ने आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारी अमेरिका के राष्ट्रपति को खुश करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वे ट्रंप को खुश करना चाहते हैं। अगर ट्रंप को किसी देश को चलाना आता, तो पहले अपने देश को ठीक से चलाते। खामेनेई ने यह भी कहा कि अमेरिका के अंदर खुद कई गंभीर समस्याएं हैं, लेकिन इसके बावजूद वह दूसरे देशों के मामलों में दखल देता है।

भाड़े के लोग बर्दाश्त नहीं

खामेनेई ने ट्रंप को घमंडी बताते हुए कहा कि एक दिन उनका भी पतन होगा। ईरान के सर्वोच्च नेता ने कहा कि इस्लामिक गणराज्य ईरान हजारों शहीदों के बलिदान से बना है और यह देश कभी भी साजिश रचने वालों के सामने झुकने वाला नहीं है। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सरकार विरोधी ताकतें चाहे जितनी कोशिश कर लें, ईरान अपने रास्ते से पीछे नहीं हटेगा। ईरान विदेशियों के लिए काम करने वाले भाड़े के लोगों को बर्दाश्त नहीं करेगा। उन्होंने दावा किया कि प्रदर्शनों के पीछे विदेशी एजेंट हैं जो देश में हिंसा भड़का रहे हैं। ईरान के सरकारी टीवी चैनल ने आरोप लगाया कि हिंसा फैलाने के पीछे अमेरिका और इजराइल से जुड़े आतंकी एजेंट हैं। सरकारी मीडिया के अनुसार, इन्हीं लोगों ने आगजनी की और हालात को बिगाड़ा।

अब तक 62 की मौत

ईरान में महंगाई के खिलाफ 13 दिनों से चल रहे प्रदर्शन के बीच गुरुवार रात को हालात और खराब हो गए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देशभर में 100 से ज्यादा शहरों में प्रदर्शन फैल चुका है। अमेरिकी ह्यूमन राइट एजेंसी के मुताबिक, प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में अब तक 62 लोग मारे गए हैं, जिनमें 8 बच्चे शामिल हैं। एक पुलिस अधिकारी की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। जबकि 2,270 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है।

ट्रंप का दावा- ईरानी शहर पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने दावा किया है कि ईरान के दूसरे सबसे बड़े शहर मशहद पर अब प्रदर्शनकारियों का कब्जा हो गया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट कर लिखा कि दस लाख से ज्यादा लोगों ने प्रदर्शन किया। ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर प्रदर्शनकारियों के नियंत्रण में आ गया है। सरकार की सुरक्षा बलों ने शहर छोड़ दिया है। मशहद की आबादी करीब 40 लाख है। यह शहर तुर्कमेनिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा के पास स्थित है।

इंटरनेट बंद, दुबई से कई उड़ानें रद्द

ईरान में इंटरनेट और बाहरी दुनिया से फोन संपर्क बंद कर दिया है, ताकि लोग आपस में और विदेशों से संपर्क न कर सकें। बता दें कि गुरुवार रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक ईरान के कई शहरों में लोग सड़कों पर उतर आए। ये प्रदर्शन ईरान के पूर्व शहजादे (क्राउन प्रिंस) के आह्वान के बाद शुरू हुए, जो इस समय देश से बाहर निर्वासन में रह रहे हैं। लोगों ने नारे लगाए और सरकार के खिलाफ मार्च किया। वहीं दूसरी ओर इस प्रदर्शन का असर अब हवाई सेवाओं पर भी दिखने लगा है। शुक्रवार को दुबई और ईरान के कई शहरों के बीच चलने वाली कम से कम छह उड़ानें रद्द कर दी गईं।

खबर संक्षेप

तीर्थयात्रियों की कार ट्रक से टकराई, 4 की मौत

तुमकुरु। कर्नाटक के तुमकुरु के बाहरी इलाके में शुक्रवार सुबह एक कार सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई जिससे कार सवार चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और अन्य सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना तड़के बेलावी के पास हुई। मृतकों में से तीन की पहचान कोप्पल जिले के कुकनूर निवासी वेंकटेश (30), मरुतप्पा (44) और सात वर्षीय बच्ची साक्षी के रूप में हुई है।

12 जनवरी को करेगा नए सैटेलाइट का लॉन्च

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) 12 जनवरी 2026 को अपना पहला अंतरिक्ष मिशन लॉन्च करने जा रहा है। इसरो का पीएसएलवी-सी62 रॉकेट पृथ्वी अवलोकन उपग्रह ईओएस-एन1 (अन्वेषा) को अंतरिक्ष में स्थापित करेगा। इसरो ने बताया कि रॉकेट और उपग्रह का इंटीग्रेशन पूरा हो चुका है और प्री-लॉन्च जांच जारी है। यह मिशन 12 जनवरी को सुबह 10:17 बजे श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से उड़ान भरेगा।

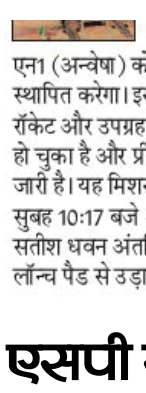

शाह ने राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड के एनआईडीएमएस का उद्घाटन किया

आतंकी गतिविधियों की जांच और उनके खिलाफ प्रभावी रणनीति बनाने में अब और होगी आसानी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के नेशनल आईईडी डेटा मैनेजमेंट सिस्टम (एनआईडीएमएस) का उद्घाटन किया। अमित शाह ने कहा कि गत 6 वर्षों में अनेक प्रकार का डेटा जनरेट कर उसे व्यवस्थित तरीके से एकत्रित करने का महत्वपूर्ण काम हुआ है। एनआईडीएमएस आगामी दिनों में देश में होने वाली सभी प्रकार की आतंकवादी घटनाओं की जांच और उनके विभिन्न पहलुओं के विश्लेषण में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा।

साथ ही, एनआईडीएमएस आतंकवाद के विरुद्ध नेक्स्ट जेनरेशन सुरक्षा कवच बनेगा। गृह मंत्री शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने विगत वर्षों में विभिन्न प्रकार के डेटा सृजित किए हैं, लेकिन अब तक वे अलग-अलग थे। अब हम इन सभी डेटा स्रोतों को एक-दूसरे से जोड़ने और उनके विश्लेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एक उन्नत सॉफ्टवेयर विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनआईडीएमएस की आज की यह शुरुआत इस प्रक्रिया को गति प्रदान करेगी और देश को आतंकवाद से सुरक्षित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगी।

गृह मंत्री शाह ने कहा कि गृह मंत्रालय ने विगत वर्षों में विभिन्न प्रकार के डेटा सृजित किए हैं, लेकिन अब तक वे अलग-अलग थे। अब हम इन सभी डेटा स्रोतों को एक-दूसरे से जोड़ने और उनके विश्लेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित एक उन्नत सॉफ्टवेयर विकसित

एनआईडीएमएस आतंकवाद के विरुद्ध नेक्स्ट जेनरेशन सुरक्षा कवच बनेगा

आतंकी घटनाओं के विश्लेषण में अहम साबित होगा

दो तरफा एकीकृत ऑनलाइन डेटा उपलब्ध

एनआईडीएमएस का उद्घाटन करते गृह मंत्री शाह

अमित शाह ने आगे कहा कि एनआईडीएमएस से एनआईए, देशभर की एटीएस, राज्यों की पुलिस और सभी सीएपीएफ को एक वृहद, एकीकृत और ऑनलाइन डेटा प्लेटफॉर्म उपलब्ध होगा, जो दो-तरफा होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थान पर हुए विस्फोट या आईईडी संबंधी घटना का डेटा इस सिस्टम में शामिल किया जा सकेगा। इस डेटा का उपयोग करके हर राज्य में जांच के दौरान आवश्यक गाइडेंस प्राप्त हो सकेगी। उन्होंने कहा कि एनआईडीएमएस आतंकी गतिविधियों की जांच, विस्फोटों के ट्रेंड समझने और उनके खिलाफ प्रभावी रणनीति बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। अमित शाह ने कहा कि एनआईडीएमएस एक सुरक्षित राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसके माध्यम से देशभर की बम विस्फोट संबंधी घटनाओं का संगठित रूप से सटीक विश्लेषण किया जा सकेगा।

पैटर्न को समझने से वैज्ञानिक साक्ष्य आधारित अभियोजन संभव होगा

गृह मंत्री ने कहा कि 'वन नेशन, वन डेटा रिपोजिटरी' के माध्यम से अलग-अलग विभागों में बिखरा डेटा अब एक राष्ट्रीय संपत्ति के रूप में हर पुलिस इकाई को उपलब्ध होगा। इससे अभियोजन की गति और गुणवत्ता दोनों में बहुत अच्छा और सकारात्मक बदलाव आएगा और हम पैटर्न को भी आसानी से समझ पाएंगे। उन्होंने कहा कि पैटर्न को समझने से वैज्ञानिक साक्ष्य आधारित अभियोजन संभव होगा। साथ ही, एजेंसियों के बीच समन्वय भी बेहतर तरीके से स्थापित होगा। शाह ने आगे कहा कि यह सही सूचना को सही समय और सही जगह पर पहुंचाने का एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रयास होगा।

एनएसजी सुरक्षा का मजबूत स्तंभ

अमित शाह ने कहा कि एनएसजी हमारे देश की आंतरिक सुरक्षा का एक मजबूत स्तंभ है। एनएसजी के जवानों की वीरता, अद्वितीय कौशल और अटूट समर्पण के कारण हमारे नागरिक चैन की नींद सो पाते हैं। कहीं भी हमला हो, उसका सटीक और त्वरित जवाब देना हो, एंटी-हाइजैक ऑपरेशन के लिए निरंतर तैयारी बनाए रखनी हो, बम डिस्पोजल के ऑपरेशन हों एनएसजी ने हर बार सफल परिणाम भी दिए हैं। उन्होंने कहा कि आतंकवाद निरोधक गतिविधियाँ, विमान हाइजैक विरोधी अभियान, बम को निष्क्रिय करने की उन्नत प्रणाली और अब इसका डेटा सभी एजेंसियों के साथ साझा करने का प्लेटफॉर्म तैयार करना-ये सभी महत्वपूर्ण कार्य एनएसजी कर रही है।

फ्रांस के राष्ट्रपति से मिले जयशंकर

रणनीतिक साझेदारी को और 'मजबूत' करने पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने पेरिस में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के साथ-साथ दोनों नेताओं ने महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक और आर्थिक बदलाव के दौर में वैश्विक घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया। राष्ट्रपति मैक्रों के साथ बातचीत के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं दीं और बदलते वैश्विक चुनौतियों पर चर्चा की, जिसमें बदलते शक्ति संतुलन, क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताएं और समान सोच वाले पार्टनर्स के बीच करीबी रणनीतिक तालमेल की जरूरत शामिल है। विदेश मंत्री 'एक्स' पर लिखा कि फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलकर और पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से शुभकामनाएं देकर बहुत खुशी हुई। समकालीन वैश्विक घटनाक्रमों पर उनके विचारों और हमारी रणनीतिक साझेदारी के लिए उनकी सकारात्मक भावनाओं की मैं बहुत सराहना करता हूं।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात करते जयशंकर

राजदूतों को किया संबोधित

पेरिस में, एस. जयशंकर ने फ्रांस के राजदूतों के सम्मेलन को भी संबोधित किया। उन्होंने वैश्विक राजनीति और अर्थव्यवस्था को नया आकार देने वाले परिवर्तनों पर बात की। उन्होंने बताया कि व्यापार, फाइनेंस, टेक्नोलॉजी, एनर्जी, संसाधन और कनेक्टिविटी आज की दुनिया में बदलावों को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके साथ ही, उन्होंने कहा कि बदलावों का सामना करने में देशों की सोच में बदलाव एक निर्णायक फैक्टर बन गया है। उन्होंने बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता को बढ़ावा देने में भारत-फ्रांस साझेदारी को एक अहम स्तंभ बताया।

फ्रांस अहम रणनीतिक साझेदार

जयशंकर ने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच रक्षा, अंतरिक्ष, सिविल न्यूक्लियर सहयोग, क्लीन एनर्जी और इंडो-पैसिफिक जैसे क्षेत्रों में एक लंबे समय से रणनीतिक साझेदारी है। फ्रांस हमारे सबसे पुराने रणनीतिक साझेदारों में से एक है। हमारी लगातार बातचीत उस रिश्ते को बनाए रखने का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दोनों देशों ने इस रिश्ते को लगातार बदलती दुनिया में एक स्थिरता प्रदान करने वाला कारक बताया है, जिसमें पेरिस और नई दिल्ली रणनीतिक स्वायत्तता और नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय सहभागिता की वकालत करते रहे हैं।

एसपी सोनभद्र के निर्देशन में पशु तस्करों पर शिकंजा

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक जनपद सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में अवैध शराब तस्करी, वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी, पशु तस्करी एवं मादक पदार्थों की तस्करी की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में, क्षेत्राधिकारी दुद्धी के दिशा-निर्देशन में थाना दुद्धी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त हुई है।

डॉ बृजेश महादेव की काव्य कृति प्रणय पुंजिका विश्व पुस्तक मेले में शामिल

सोनभद्र। 20वां विश्व पुस्तक मेला, नई दिल्ली में 10 से 18 जनवरी 2026 तक भारत मंडपम में आयोजित हो रहा है। इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय आयोजन में जनपद सोनभद्र के नवोदित रचनाकार, शिक्षक एवं साहित्यकार डॉ बृजेश कुमार सिंह महादेव की नवीन काव्य कृति प्रणय पुंजिका को शामिल किया गया है। यह पुस्तक भारत मंडपम, हाल संख्या-6, स्टाल संख्या श-18 नई दिल्ली में पाठकों के लिए उपलब्ध रहेगी। बता दें कि डॉ बृजेश महादेव ग्राम भरहरी, जनपद सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) के मूल निवासी हैं। आपके पिता रामश्रृंगार सिंह एक साधारण किसान हैं तथा माता गायत्री देवी एक कुशल गृहिणी हैं।

बोले राजनाथ, क्रूज मिसाइल विकास के लिए ठोस आधार

डीआरडीओ ने किया हाइपरसोनिक मिसाइल से जुड़ा एक बड़ा परीक्षण, क्षमता में वृद्धि दर्ज

▶▶ नई दिल्ली

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने शुक्रवार को हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े हुए एक बेहद महत्वपूर्ण परीक्षण को सफलतापूर्वक पूरा किया है। रक्षा मंत्रालय ने इसे हाइपरसोनिक मिसाइल कार्यक्रम के लिए फुल स्केल एक्टिवली कूल्ड लॉन्ग ड्यूरेशन स्क्रैमजेट इंजन के ग्राउंड परीक्षण का नाम दिया है। यह उपलब्धि पिछले साल 25 अप्रैल 2025 को दीर्घावधि सबस्केल परीक्षण पर आधारित है। जो हाइपरसोनिक मिसाइलों के विकास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण कदम है। कंबस्टर और टेस्ट केंद्र को डीआरडीओ की एक प्रयोगशाला डीआरडीएल ने डिजाइन के साथ

विकसित किया है। साथ ही उद्योग भागीदारों ने इसे साकार किया है। इस सफल परीक्षण से भारत ने उन्नत एयरोस्पेस क्षमताओं में अग्रणी स्थान हासिल कर लिया है।

रक्षा मंत्री ने दी बधाई: परीक्षण की सफलता को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ की टीम और उद्योग भागीदारों और शिक्षाविदों की बधाई दी है। फुल स्केल एक्टिवली कूल्ड लॉन्ग ड्यूरेशन स्क्रैमजेट इंजन के सफल ग्राउंड परीक्षण की यह उपलब्धि देश के हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल विकास कार्यक्रम के लिए ठोस आधार है।

अनंतनाग में भारी बर्फबारी से जमी नदी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर में शीतलहर जारी है, बर्फबारी के चलते नदियां बर्फ की चादर से ढकी नजर आ रही हैं। अनंतनाग में नदियां जमी दिखीं। अनंतनाग जिले में भारी पाले और बर्फबारी के बीच जमी नदी और एक स्ट्रक्चर से लटकती बर्फ की चट्टानों के पास से एक आदमी गुज़र रहा है। ताज़ा बर्फबारी और फिसलन भरी स्थितियों के कारण सड़क बंद है, और 31 दिसंबर से शोपियां और पुंछ के बीच और पुंछ से शोपियां होते हुए कश्मीर तक ट्रैफिक बंद है। पुंछ में भारी बर्फबारी के बाद सामरिक रूप से बेहद अहम मुगल रोड पर बर्फ हटाने का अभियान जारी है। सीमा सड़क संगठन के जवान बेहद मुश्किल हालात में 24 घंटे काम कर रहे हैं। वहीं घाटी में सबसे ठंडे इलाके सोनमर्ग, गुलमर्ग और पहलगाम रहे।

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला-सरगुजा

रा०प्र०क्र०/./अ-20 (3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक सम्पत सोनी आ० स्व० रामाधार सोनी, श्रीमती गुलाब देवी पत्नी स्व० रामाधार सोनी दोनो जाति सोनार निवासी महाराजा गली जोड़ापीपल रोड केदारपुर अम्बिकापुर थाना व तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर-09 मोहल्ला केदारपुर नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 1073/2, रकबा रकबा 0.04,1/2 एकड़ भूमि को बैक में बंधक रखने की अनापत्ति हेतु आवेदन पत्र पेश किया गया है।उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-23/01/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः-30/12/2025 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर के न्यायालय मे मामला क्रमांकः 202601020700028

विषयः- अ-6

मामले की श्रेणीः- राजस्व

सन्नः- 2025-2026

अंबिकापुर प.ह.न. 00015 [1288/1(0.0320हे0)]

पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार शुकुल कुशवाहा, अनावेदक पक्षकार - कैशिल्या कुशवाहा पति स्व विजय कुशवाहा गणेश नरेश, अजय संजय पिता गुलाब कुशवाहा राधा कुशवाहा.

ईश्तहार

आवेदक शुकूल कुशवाहा पत्नी अजय कुशवाहा निवासी अम्बिकापुर तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा ग्राम अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 1288/1 रकबा 0.032 हे0 भूमि के राजस्व अभिलेखो से मृतक खातेदार अजय कुशवाहा का नामा विलोपित कर फौती नामांतरण दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 30/01/2026 के पूर्व न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 06/01/2026 को जारी किया जाता है।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर हमले के बाद रूस का पलटवार

यूक्रेन पर 242 ड्रोन और ओरेशनिक मिसाइल से किया हमला

एजेंसी ▶▶ मॉस्को

रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव समेत कई इलाकों पर गुरुवार रात बड़ा हवाई हमला किया। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के मुताबिक हमले में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि दर्जनों लोग घायल हुए हैं। जेलेंस्की ने बताया कि रूस ने 242 ड्रोन, 13 बैलिस्टिक मिसाइलें, एक ओरेशनिक मीडियम-रेंज बैलिस्टिक मिसाइल और 22 क्रूज मिसाइलें दागीं। हमले के बाद कई इलाकों में बिजली और हीटिंग सप्लाई बाधित हुई है। जेलेंस्की ने कहा कि हालात सामान्य करने के लिए हरसंभव कोशिश की जा रही है और एनर्जी स्टाफ की बैठक बुलाकर मरम्मत और संसाधनों की समीक्षा की जाएगी। हमले में यूक्रेन स्थित कतर दूतावास की एक इमारत भी ड्रोन की चपेट में आई।

जेलेंस्की बोले- हमले में 4 की मौत दर्जनों नागरिक घायल हुए

यूक्रेन के कई इलाकों में बिजली और हीटिंग आपूर्ति बाधित

रूस ने भी 'ओरेशनिक' से हमले की पुष्टि की

यूक्रेन के क्रिवी रिह में रूसी हमले के बाद एक रिहायशी इमारत जल गई

रूस ने दावा किया है कि उसने राष्ट्रपति पुतिन के आवास पर कीव की ओर से किए गए ड्रोन हमले का जवाब ओरेशनिक हाइपरसोनिक मिसाइल के जरिए दे दिया है। इंटरमीडिएट-रेंज ओरेशनिक एक ऐसी मिसाइल है जिसके बारे में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया है कि इसे इंटरसेप्ट करना नामुमकिन है क्योंकि इसकी कथित वेलोसिटी आवाज की स्पीड से 10 गुना अधिक है। मंत्रालय ने कहा कि हमले में यूक्रेन में जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया था। रूस ने अटैक ड्रोन और लंबी दूरी के जमीन और समुद्र से मार करने वाले हथियारों का भी इस्तेमाल किया था।

हमले का वीडियो जारी

रूसी मंत्रालय के बयान के अनुसार गुरुवार देर रात टारगेट हिट किए गए। कथित तौर पर ये टारगेट वो ड्रोन फैसिलिटी थी जहां के बने ड्रोन ने पुतिन के आवास को निशाना बनाया था। स्थानीय मीडिया ने भी टारगेट अटैक की जानकारी दी है। हमले का वीडियो जारी किया गया, जिसमें कथित तौर पर वह पल दिखाया गया है जब ओरेशनिक ने पश्चिमी यूक्रेन में अपने टारगेट पर हमला किया। बर्फ से ढके लैंडस्केप पर फिल्माए गए इस वीडियो में, ऐसा लग रहा था कि छह फ्लैश जमीन पर गिर रहे थे, जिसके बाद एक जोरदार धमाका हुआ।

'ओरेशनिक' लंबी दूरी स्ट्राइक प्रणाली

रूसी सैन्य शब्दावली में ओरेशनिक का अर्थ 'हेजल ट्री' से जुड़ा माना जाता है, लेकिन हथियारों के नाम अक्सर प्रतीकात्मक होते हैं। ओरेशनिक को ऐसे प्लेटफॉर्म के रूप में देखा जा रहा है जो तेज गति, लंबी रेंज और सटीकता को एक साथ जोड़ता है। इस तरह ओरेशनिक रूस की नई पीढ़ी की लंबी दूरी की स्ट्राइक क्षमता से जुड़ा सिस्टम माना जा रहा है, जिसे दुश्मन की गहरी सैन्य संरचनाओं को निशाना बनाने के लिए विकसित किया है।

गुड़-तिल-मूंगफली टेस्टी भी-हेल्दी भी

बच्चो, जाड़े के मौसम में बहुत सी हेल्दी चीजें खाने को मिल जाती हैं। जनवरी माह में मकर संक्रांति पर्व भी आता है, इस अवसर पर तिल-मूंगफली से बने व्यंजनों के खाने का एक अलग ही मजा है, जो हमारी हेल्थ के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। सर्दियों में और कौन-कौन सी हेल्दी-टेस्टी चीजें खाई जा सकती हैं, जो हमें फिजिकली-मेंटली फिट रखती हैं, जानो।

सीजनल डाइट
डॉ. मोनिका शर्मा

बच्चो, हेल्दी डाइट से ही हमारा शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहता है। स्वस्थ आहार में बहुत-सी चीजें शामिल होती हैं, जैसे- सब्जियां, अनाज, फल, ड्राई फ्रूट्स और दूध-दही। बहुत से फूड आइटम्स भी हमारी हेल्दी डाइट का हिस्सा होते हैं। हमारे देश में तो मौसम के हिसाब से भी खान-पान तय किया गया है। तुमने देखा होगा कि घर में मौसम के बदलते ही खाने-पीने की चीजें भी बदल जाती हैं। इन दिनों जाड़े में मूंगफली, तिल और गुड़ की बनी चीजें खूब दिख रही हैं। ये ट्रेडिशनल फूड आइटम्स सर्दियों के लिए एनर्जी बूस्टर हैं। इनसे मिलने वाले पोषक तत्व, साल भर हमारे शरीर को स्वस्थ रखते हैं।

स्वास्थ्य के रक्षक

सर्दी के मौसम में खाए जाने वाले तिल-मूंगफली के पकवान बहुत न्यूट्रीशस होते हैं। ये हर एज ग्रुप के लोगों को पसंद आते हैं। इनकी तासीर यानी हमारे शरीर पर पड़ने वाला असर, गर्म होती है। जिसके चलते इनसे बनी सभी चीजें शरीर को ठंड से बचाती हैं। तिल की बने लड्डू हों या मूंगफली की चिक्की, सर्दियों में सबके साथ धूप में बैठकर या अलाव तापते हुए इन्हें खाने का मजा ही कुछ और है! ठंड से बचाव करने और सेहत बनाने वाले ये क्रंची स्नैक्स, अपनों

के साथ समय बिताने का भी अवसर देते हैं। तिल और मूंगफली में न केवल प्रोटीन बल्कि कई विटामिन और ओमेगा 6 जैसे न्यूट्रिएंट्स भी भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। इन दोनों में ही कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व भी होते हैं। इसीलिए तिल के लड्डू खाने से हड्डियां मजबूत होती हैं। ये हमारी डाइजेस्टिव हेल्थ को बेहतर रखते हैं। वहीं पीनट्स यानी मूंगफली भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। पीनट्स खाने से ब्रेन फंक्शनिंग भी सुधरती है। बच्चो, नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी में सामने आया है कि तिल और मूंगफली में हेल्दी फैट होता है। इसीलिए ठंड के मौसम में इन चीजों को जरूर खाना चाहिए। ये ठिठुराती सर्दी में खेलने-कूदने और एक्टिव रहने का एनर्जी बूस्टर डोज हैं।

मिठास का सेहतमंद साथ

बच्चो, तिल, मूंगफली को जब गुड़ का साथ मिलता है, तो ये स्वादिष्ट ही नहीं और अधिक गुणकारी भी बन जाते हैं। तिल, गुड़ और मूंगफली, ये तीनों चीजें ठंड के मौसम के लिए सुपरफूड हैं। इनसे बनी चीजें खाने में बहुत टेस्टी लगती हैं। इन्हें स्कूल के टिफिन में ले जाना भी बहुत आसान है। तिल और मूंगफली तो पौष्टिक हैं ही, गुड़ में भी आयरन, मैग्नीशियम और कैल्शियम जैसे कई मिनरल्स होते हैं, जो शरीर को एनर्जी और गर्माहट देने का काम करते हैं। गुड़ में विटामिन ए, सी और ई भी होते हैं। असल में गुड़ में मौजूद शुगर, सुक्रोज और फ्रक्टोज के रूप में होती है, इसलिए इसका स्वाद मीठा और तुरंत एनर्जी देने वाला होता है। यही कारण है कि गुड़ खाने से मानसिक और शारीरिक स्ट्रेस भी कम होता है। गुड़ में मिठास ही नहीं जिंक, सेलेनियम और एंटीऑक्सिडेंट्स भी होते हैं। ये ना सिर्फ हमारे शरीर को इंफेक्शन से बचाते हैं बल्कि इम्यूनिटी भी बढ़ाते हैं। तिल और मूंगफली के लड्डू, गजक, बर्फी, तिलपट्टी, तिलकुट या चिक्की बनाने के लिए गुड़ का ही इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में सर्दियों के मौसम में इन चीजों को खाना इम्यूनिटी, मूड और अपनेपन का मिठास भरा बूस्टर डोज बन जाता है।

ट्रेडिशनल टेस्ट का कमाल

बच्चो, तिल, मूंगफली और गुड़ जैसी चीजों की न्यूट्रिशनल वैल्यू को हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से समझते आए हैं। सर्दियों में आने वाले त्योहार, जैसे मकर संक्रांति और लोहड़ी पर तो खासतौर पर इन चीजों को खाया जाता है। सर्दियों में हमारे घरों में इन चीजों से पारंपरिक और पौष्टिक मिठाई बनाने का ट्रेंड रहा है। आज भी विंटर सीजन में दादी-नानी तिल के लड्डू बनाकर भी अपना प्यार जताती हैं। बच्चो, समझना जरूरी है कि तिल, मूंगफली से बनी मिठाई,

स्नैक्स का बहुत हेल्दी ऑप्शन हैं। अगर सही पोर्शन में खाया जाए तो शरीर को इनसे कोई नुकसान नहीं होता। हमारा ट्रेडिशनल खान-पान शरीर, मन और मौसम के मुताबिक बने हुए हैं। बीमारियों से बचाने और इम्यूनिटी मजबूत करने वाले देसी नुस्खों में दादी, नानी और मम्मी का स्नेह भी भरा होता है। इसीलिए सर्दियों में इन सुपर फूड्स को खूब मन से खाओ। अच्छी सेहत बनाओ। इस कमाल के ट्रेडिशनल टेस्ट के लिए दादी-नानी का मन से आभार भी जताओ। *

कैसे हुई पतंग की शुरुआत

हमारे देश में कुछ खास पर्व और अवसरों पर पतंग उड़ाने की परंपरा है। बच्चे तो पतंगबाजी को खूब एंज्वॉय करते हैं। पतंग के आविष्कार और देश-विदेश में इसके प्रचलन का किस्सा बड़ा रोचक है। जानो, पतंग और पतंगबाजी से जुड़ी कुछ रोचक बातें।

जानकारी
शिवानी छाया

बच्चो, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाने की परंपरा है। इस पर्व के अलावा हमारे देश में वसंत पंचमी, स्वतंत्रता दिवस पर भी पतंगें उड़ाई जाती हैं। गुजरात, राजस्थान, पंजाब और तेलंगाना जैसे कई राज्यों में तो पतंगोत्सव यानी काइट फेस्टिवल का आयोजन किया जाता है, जिसमें देश-विदेश से आए लोग भाग लेते हैं। पतंगबाजी में बच्चे-बड़े सभी भाग लेते हैं, खूब एंज्वॉय करते हैं। बच्चो, तुम यह जानना चाहोगे कि पतंग उड़ाने की शुरुआत कब और कैसे हुई, जानो-

चीन में हुई थी शुरुआत: माना जाता है कि पतंग बनाने और उड़ाने की शुरुआत लगभग 2800 वर्ष पहले चीन के शानदोंग शहर में हुई थी। इस शुरुआत के पीछे एक रोचक किस्सा है- खेत में काम करने के दौरान एक चीनी किसान की टोपी बार-बार हवा में उड़कर इधर-उधर चली जाती थी। इससे परेशान होकर वह अपनी टोपी एक डोरी से बांधकर रखने लगा। इससे उसकी टोपी हवा में उड़ती तो थी लेकिन इधर-उधर नहीं जाती थी। बस यहीं से पतंग बनाने के आइडिया ने जन्म लिया। विभिन्न स्रोतों के अनुसार दुनिया की शुरुआती पतंगें चीन के हुआंग थेंग, मोजी और लुबान ने बनाई थीं। ये पतंगें कागज की नहीं, लकड़ी और रेशम से बनी होती थीं, जिसे 'वुडन बर्ड' यानी 'लकड़ी की चिड़िया' कहा जाता था। बाद में रेशम के कपड़े, बांस आदि की सहायता से पतंगें बनाई जाने लगीं। चीन में पतंग के आविष्कार की एक वजह यह भी थी कि उस दौर में पतंग बनाने का उपयुक्त सामान, जैसे- रेशम का कपड़ा, पतंग उड़ाने के लिए मजबूत रेशम का धागा और पतंग के शेप को सहारा देने के लिए हल्का और मजबूत बांस चीन में आसानी से उपलब्ध था।

चीन में बनी शुरुआती दौर की पतंग

मनोरंजन नहीं था उद्देश्य: आज हम पतंगबाजी को एक खेल के रूप में देखते हैं, इसे मनोरंजन के लिए उड़ाते हैं। लेकिन शुरुआत में पतंग उड़ाना मनोरंजन नहीं था। पतंग का प्रयोग संदेश भेजने, हवा की गति और दिशा का पता लगाने, जासूसी जैसे उद्देश्यों के लिए किया जाता था। धीरे-धीरे उच्च और सामान्य वर्ग के लोगों की रुचि इसमे बढ़ती गई और पतंगबाजी शौक और मनोरंजन का साधन बन गई।

भारत में पतंग का प्रसार: पतंग बनाने की कला और इसे उड़ाने का शौक चीन, जापान, कोरिया, थाइलैंड जैसे देशों से होकर भारत पहुंचा। इसमें विदेशी यात्री, व्यापारी और बौद्ध भिक्षुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा। देखते ही देखते पतंगबाजी भारत में काफी लोकप्रिय हो गई, यहां के पर्व-उत्सवों एवं संस्कृति का हिस्सा बन गई। आज बच्चे-बड़े सभी खुले आसमान में पतंग उड़ाते हैं, पतंग से जुड़े फेस्टिवल्स एंज्वॉय करते हैं। *

पौराणिक ग्रंथों और इतिहास में पतंग

बच्चो, मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने को लेकर एक पौराणिक मान्यता भी है। तमिल ग्रंथ 'तंदनान रामायण' के अनुसार मकर संक्रांति के दिन पहली बार भगवान श्रीराम ने पतंग उड़ाई थी, जो इंद्रलोक तक चली गई थी। तभी से मकर संक्रांति के अवसर पर पतंग उड़ाने की परंपरा चली आ रही है। आधुनिक भारत के इतिहास की बात करें तो 1928 में साइमन कमीशन के विरोध में 'साइमन गो बैक' लिखे काली पतंगें उड़ाकर विरोध प्रदर्शन किया गया था। देश की आजादी के बाद उसी घटना की याद में स्वतंत्रता दिवस पर पतंग उड़ाने की परंपरा शुरू हुई।

तुम्हारे लिए नई किताब / विज्ञान भूषण

गोलू-दादू की दोस्ती

बच्चो, तुमको अपने दादाजी-नानाजी से बात करने, उनके संग खेलने में भी फ्रेंड वाली फीलिंग आती होगी। हाल में छपकर आई किताब 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम एक प्यारे बच्चे गोलू और उसके दादू की दोस्ती से जुड़ी मजेदार कहानियां पढ़ सकते हो। इन नौ कहानियों में तुमको गोलू का नटखट स्वभाव, भोलापन और समझदारी देखने को मिलेगी। किसी कहानी में तुम पढ़ोगे कि गोलू के दादू, उसे बड़े प्यार से जीवन से जुड़ी उपयोगी सीख भी दे देते हैं। संग्रह की पहली कहानी 'गोलू मेरा दोस्त' में तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे दादू को गांव से अपने पास बुलाकर प्यारा सा सरप्राइज देता है! 'गोलू मेरा नाम' कहानी में जब तुम पढ़ोगे कि गोलू कैसे अपना नाम अभिनव के बजाय गोलू पुकारे जाने पर मुंह फुला लेता है और फिर दादू उसे उसकी गलती कुछ ऐसे समझाते हैं कि तुम हंसे बिना नहीं रहोगे। कामचोर का मतलब क्या होता है, इसका अर्थ समझने के लिए तुमको 'गोलू मस्त मोलू' कहानी पढ़नी होगी। किताब की अन्य कहानियां भी तुमको जरूर पसंद आएंगी। *

किताब : गोलू मेरा दोस्त (बाल कहानी संग्रह), **लेखक :** गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपए, **प्रकाशक :** पंचशील प्रकाशन, जयपुर

हंसगुल्ले

चिक्की : मिक्की, कल रात को सपने में मेरे पैर में कांटा चुभ गया था।
मिक्की : तुम चप्पल पहन कर सोया करो तब कांटा नहीं चुभेगा।
-खुशी, रायपुर

मिंकी (अपनी मम्मी से) : मम्मी, क्या जुबान के भी पैर होते हैं?
मम्मी : नहीं तो! क्यों?
मिंकी : तो फिर रिंकी मुझसे क्यों कहती रहती है कि तेरी जुबान बहुत चलती है?
-काम्या, भोपाल

चिंटू : बताओ, समांतर रेखाएं एक-दूसरे को क्यों नहीं काटती हैं?
मिंटू : क्योंकि उनके दांत नहीं होते।
-सुरेंद्र, रोहतक

जीके क्विज-187

1. वूमेंस टी-20 में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाली खिलाड़ी कौन बनी है?
2. भारत किस देश को पीछे छोड़कर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है?
3. हाल में दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय महिला का क्या नाम है?
4. महात्मा बुद्ध ने अपना पहला उपदेश किस स्थान पर दिया था?
5. भारत के अंतिम गवर्नर जनरल कौन थे?
6. कोणार्क का सूर्य मंदिर किस राज्य में स्थित है?
7. गाजर में कौन-सा विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है?
8. भारत में पहली रेल किन दो स्थानों के बीच चली थी?
9. इलेक्ट्रिक आयरन को गर्म करने के लिए किस धातु का प्रयोग किया जाता है?
10. भरतनाट्यम किस राज्य की नृत्य शैली है?

बच्चों, जीके क्विज-187 का उत्तर बालभूमि के अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा। सही जवाब देने वाले बच्चों के नाम भी प्रकाशित किए जाएंगे।

जीके क्विज-186 का उत्तर : 1.स्मृति मंधाना, 2. 366 दिन, 3. 10 जनवरी, 4.मिजोरम, 5.मंगोलिया, 6.हाइड्रोजन, 7.माइटोकॉण्ड्रिया, 8.न्यूमिस्मेटिक्स, 9.गंगा डॉल्फिन, 10.विनय कुमार सक्सेना

जीके क्विज-186 का सही उत्तर देने वाले : कबीर-हिसार, आपु-रायगढ़, ऊर्जस्वी-सारंगढ़ बिलाईगढ़, ज्योति-रायगढ़, गुंजा-रायपुर, रक्षित-बिलासपुर, अनन्या-दुर्ग, केशव-बिलासपुर, नमन-रोहतक, हर्ष-भोपाल, शिवांश-महासमुंद

कहानी
सरस्वती रमेश

राजू को तो यही पता था, मकर संक्रांति के दिन पतंग उड़ाकर त्योहार की खुशियां मनाई जाती हैं, लेकिन दादी ने बताया इस दिन दान दिया जाता है, जिसका एक अलग महत्व होता है। राजू को यह बात वास्तव में कितनी समझ में आई, क्या उसने मकर संक्रांति के दिन कोई दान किया?

मकर संक्रांति का दान

राजू के घर आज सुबह-सुबह पूरे परिवार ने स्नान किया। फिर सबने मकर संक्रांति की पूजा की। तिल के लड्डू खाए। खाने में राजू की मम्मी ने आज स्वादिष्ट खिचड़ी बनाई थी। दोपहर में सभी लोगों ने छत पर गुनगुनी धूप में बैठकर खिचड़ी खाई। मम्मी-पापा, दादा-दादी राजू और छोटी बहन पीहू ने खिचड़ी खाई। दादी ने राजू और पीहू से पूछा, 'जानते हो बच्चो, मकर संक्रांति के दिन क्या करते हैं?'

'हां.. हां.. जानता हूं। आज के दिन मजे से पतंग उड़ाते हैं।' राजू तपाक से बोला। 'हां पतंग तो उड़ाते हैं, लेकिन इस दिन को बहुत शुभ माना जाता है। गरीब लोगों को दान भी करते हैं। आज के दिन दान करने से उसका पुण्य कई गुना बढ़ जाता है।' दादी ने बताया।

'दान क्या होता है दादी?' पीहू ने भोलेपन से पूछा।

'दान मतलब किसी गरीब को कुछ देना। कोई खाने की चीज या वस्त्र आदि।' दादी बोलीं।

'फिर तो भैया आप मुझे अपनी बड़ी वाली पतंग दान कर दो न प्लीज।' पीहू ने मचलते हुए कहा तो सब हंस पड़े।

कुछ देर बाद राजू अपने पापा और बहन के साथ घर के पास ही ग्राउंड में पतंग उड़ाने गया। आसमान में रंग-बिरंगी पतंगें उड़ रही थीं। बच्चे, बड़े सब पतंगें उड़ा रहे थे। तभी वहां एक बच्चा दिखाई दिया। वह पेड़ के पीछे खड़ा होकर सबको पतंगें उड़ाता हुआ देख रहा था। ठंड काफी थी, लेकिन उस बच्चे ने सिर्फ एक हाफ शर्ट और नेकर पहन रखी थी। राजू के पापा की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पूछा, 'अरे! तुम यहां क्यों छिपे हुए हो?' 'सबको पतंगें उड़ता देख रहा हूं।' वह बच्चा बोला।

'तुम्हारी पतंग कहां है?' राजू ने उससे पूछा।

'मेरे पास नहीं है।' बच्चा उदास स्वर में बोला।

'और इतनी ठंड में तुमने स्वेटर क्यों नहीं पहन रखा है? तुम्हें ठंड नहीं लग रही क्या?' पापा को अचरज हो रहा था।

'लग रही है। स्वेटर गंदा हो गया था तो मां ने धोकर सूखने के लिए डाल रखा है।' बच्चे ने सकुचाते हुए बताया।

'तो दूसरा पहन लेते।' पास खड़ी पीहू बोली।

'दूसरा नहीं है।' लड़का धीमी आवाज में बोला।

'अच्छा तुम्हारा नाम क्या है?' पापा ने पूछा।

'मोनू।' लड़के ने बताया।

'तुम रहते कहां हो?' पापा ने जानना चाहा।

'वो सामने बस्ती में।' बच्चे ने अंगुली के इशारे से बताया।

'क्या तुम मेरे बेटे का पुराना स्वेटर ले लोगे।' पापा ने पूछा।

'मां से पूछकर बताऊंगा।' इतना कहकर वह जाने लगा तो राजू ने उसे रोक लिया।

'यह लो मेरी पतंग और मांझा, ठीक से उड़ाना।' राजू ने अपनी पतंग-मांझा उसके हाथों में पकड़ा दिया।

पतंग पाकर बच्चा खुश हो गया और दौड़ते हुए घर की ओर चला गया। राजू पापा के साथ घर लौट आया। पापा ने घर में बच्चे की बात सभी को बताई। यह भी बताया कि राजू ने उसे अपनी पतंग दे दी।

'लेकिन शाम को तो सर्दी और बढ़ जाएगी। हमें उसे गर्म कपड़े भी देने चाहिए।' मम्मी ने सुझाव दिया।

'यदि उसने पुराने कपड़े न लिए तो?' पापा बोले।

'हम उसके लिए नए कपड़े देंगे।' राजू ने कहा।

'लेकिन इतनी जल्दी नए कपड़े आएंगे कहां से?' मम्मी बोलीं।

'आपने जो मेरे लिए नया स्वेटर खरीदा है, वही उसे दे दीजिए।' राजू तुरंत बोला।

'लेकिन वो तो तुम्हारे लिए है और महंगा भी बहुत है।' दादी बोलीं।

'दादी, सुबह आपने कहा था न कि आज गरीब को दान करना चाहिए। वह गरीब बच्चा है। उसे स्वेटर देंगे आज।' राजू ने दादी को सुबह वाली बात याद दिलाई। 'जरूर बेटा, तुमने तो संक्रांति की परंपरा को ठीक से समझ लिया है। ले आओ, अपना नया वाला स्वेटर। चलो अभी चलते हैं मोनू के घर।' पापा बोले।

राजू भाग कर अपने कमरे से स्वेटर ले आया और खुशी-खुशी पापा के साथ मोनू के घर की ओर चल पड़ा। घर में दादी, मम्मी और पीहू भी यह देखकर बहुत प्रभावित और खुश थे कि दयालु राजू के कारण एक गरीब का भला होगा। *

कविता
अखिलेश श्रीवास्तव चमन

एक पर्व के इतने नाम!

छोटे से मिस्टर अयान
सोच-सोच कर हैं हैरान
तिथि एक है, पर्व एक है
लेकिन इसके इतने नाम!
दक्षिण भारत में है पोंगल
उत्तर में कहलाता खिचड़ी
असम राज्य में बिहू कहते
पंजाबी कहते हैं लोहड़ी।
मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, ओडिशा
में होता है मकर संक्रांति
पर पश्चिम बंगाल के अंदर
कहलाता है पौष संक्रांति।
इस दिन सूरज दिशा बदल
उत्तरी गोलार्ध में आ जाता है
रातें छोटी होने लगतीं
दिन लंबाई पा जाता है।
भुनी मूंगफली, गुड़ की पट्टी
तिल की गजक, रेवड़ी खाकर
पूरा देश मनाया करता
है यह पर्व, पतंग उड़ाकर।

रंग भरो-193

रंग भरो-193 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

रुजुला, रोहतक

आशना, जांजगीर

पयोनिधि, अंबिकापुर

आन्या, दुर्ग

लालिमा, गरियाबंद

रेयांश, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

देव्यांश-दुर्ग, दिशांत-महेंद्रगढ़, लोकेश-जबलपुर, नीरज-महासमुंद, यश-रायगढ़, खुशी-भिवानी, सुमन-जांजगीर, कविता-कटनी, हितेश-दिल्ली, राकेश-धमतरी, अंकित-गुना, सौम्या-करनाल, रोहन-बिलासपुर, दिव्या-कोरबा, साकेत-बालोद

रंग भरो 194

बच्चो, यहां पतंग उड़ा रहे एक बच्चे का ब्लैक एंड व्हाइट चित्र दिया गया है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो: संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली- 110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

एसआईआर सूची में नाम जुड़वाने व विलोपन हेतु दावा-आपत्ति 22 तक

स्कूलों व कॉलेजों में नए मतदाताओं को फार्म-06 भरने किया जा रहा जागरूक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी एस.जयवर्धन ने निर्वाचक नामावलियों का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जारी है। इसके अंतर्गत सूची में नाम जुड़वाने व विलोपित कराने 22 जनवरी तक दावा-आपत्ति लिए जा रहे है। साथ ही 01 अक्टूबर 2026 की स्थिति में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले भावी मतदाता के रूप में फॉर्म 6 के द्वारा सूची में नाम जुड़वाने के लिए भी आवेदन लिए जा रहे हैं। निर्वाचन विभाग से प्राप्त जानकारी के लिए मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन के उपरांत अभी तक 9434 से अधिक फार्म 06 तथा 70 फार्म 07 प्राप्त किया गया है। इसी क्रम में नए मतदाताओं को नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करने तथा लोकतंत्र को मजबूत करने के उद्देश्य से जिले के स्कूलों और महाविद्यालयों में मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन

कार्यक्रमों के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए फार्म-06 भरकर संबंधित बीएलओ के पास जमा करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान विद्यार्थियों को बताया गया कि मताधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है और प्रत्येक योग्य नागरिक का यह दायित्व है कि वह समय पर मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराए। अधिकारियों ने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज होने से नागरिकों को न केवल मतदान का अधिकार मिलता है, बल्कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी भी सुनिश्चित होती है।

फार्म-06 भरने की प्रक्रिया की दी जा रही जानकारी

जागरूकता कार्यक्रमों में उपस्थित अधिकारियों द्वारा फार्म-06 भरने की प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों और आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि की जानकारी दी जा रही है। विद्यार्थियों को बताया जा रहा है कि पहचान प्रमाण, आय प्रमाण एवं निवास से संबंधित दस्तावेजों के साथ आवेदन प्रस्तुत करना आवश्यक है। कार्यक्रम में शिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों ने भी युवाओं से लोकतांत्रिक व्यवस्था में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया जा रहा है, जिससे छात्र-छात्राओं ने मतदाता बनने को लेकर उत्साह नजर आ रहा है। ऑनलाइन आवेदन की सुविधा मतदाता ECINET App डाउनलोड कर अथवा वोटर पोर्टल www.voters.eci.gov.in पर जाकर मोबाइल नंबर एवं ओटीपी के माध्यम से पंजीकरण कर सकते हैं। पोर्टल पर न्यू वोटर रेजिस्ट्रेशन टैब के माध्यम से फॉर्म-06 एवं घोषणा पत्र भरने की सुविधा उपलब्ध है। मतदाताओं के लिए ऑफलाइन आवेदन की भी व्यवस्था है। ऑफलाइन आवेदन के लिए फॉर्म-6 एवं घोषणा पत्र संबंधित बीएलओ से प्राप्त कर भरकर उनके पास जमा किया जा सकता है। इच्छुक नागरिक वेबसाइट से फॉर्म डाउनलोड कर सकते हैं। वा जानकारी के लिए टोल फ्री नंबर 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

राज्य सलाहकार ने किया प्रतापपुर जनपद का भ्रमण, की गई स्वच्छता व विकास कार्यों की समीक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विगत दिवस राज्य सलाहकार एवं संभाग प्रभारी पुरुषोत्तम पंडा द्वारा जिले के प्रतापपुर जनपद का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान उन्होंने जनपद क्षेत्र में संचालित विकास एवं स्वच्छता से जुड़े कार्यों की समीक्षा की। सर्वप्रथम जनपद पंचायत प्रतापपुर में जनपद सीईओ, एसडीओ आरईएस एवं पीओ मनरेगा के साथ बैठक आयोजित की गई, जिसमें निर्माण कार्यों की प्रगति, पूर्णता एवं नवीन कार्यों की स्वीकृति के संबंध में विस्तृत चर्चा की गई। इसके पश्चात ग्राम पंचायत शिवपुर में कचरा संग्रहण कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान स्वेच्छाग्रही दीदियों, सरपंच, सचिव एवं पंचगण से चर्चा करते हुए नियमित कचरा संग्रहण एवं यूजर शुल्क वसूली के लिए ग्रामीणों को जागरूक करने हेतु व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर जोर दिया गया। साथ ही मंदिर परिसर में गीले कचरे के निपटान के लिए पृथक व्यवस्था किए जाने का सुझाव दिया गया। मंदिर परिसर के समीप प्रस्तावित दुकानयुक्त सामुदायिक शौचालय के लिए उपयुक्त स्थल का भी चिन्हांकन किया गया। तत्पश्चात ग्राम पंचायत मरहठा में कचरा संग्रहण कार्य का निरीक्षण कर स्वेच्छाग्रही दीदियों, सरपंच एवं सचिव से चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश एवं सुझाव दिए गए।

जिले में अब तक 2.34 लाख क्विंटल हुई धान खरीदी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों पर किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से धान खरीदी का कार्य किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी प्रक्रिया को सुचारु, समयबद्ध और

किसान हितैषी बनाया गया है। जिले में अब तक कुल 234245 क्विंटल धान की खरीदी हो चुकी है। इसके लिए कुल 41977 टोकन जारी किए गए हैं, जिनमें से 22756 टोकन मोबाइल ऐप के माध्यम से किसानों को प्रदान किए गए। वहीं 11415 किसानों ने 495.41हेक्टेयर रकबा का समर्पण किया है। धान खरीदी के दौरान अवैध भंडारण, खरीदी एवं परिवहन पर रोक लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। अब तक 64 प्रकरणों में लगभग 4,750 क्विंटल अवैध धान जप्त किया जा चुका है। कलेक्टर के निर्देशानुसार जिले की सभी सीमाओं एवं चेक पोस्टों पर 24 घंटे सतत निगरानी की व्यवस्था की गई है। संदिग्ध वाहनों की गहन जांच के साथ रात्रिकालीन गश्त भी की जा रही है, वहीं आंतरिक चेक पोस्टों पर विशेष टीमों की तैनाती की गई है। कोचियों एवं बिचौलियों के माध्यम से अवैध रूप से धान खपाने पर रोक लगाने और खरीदी प्रक्रिया की प्रभावी निगरानी के लिए जिले में इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है। इसके माध्यम से धान खरीदी, भंडारण और परिवहन की रियल टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जा रही है। जिला प्रशासन ने किसानों एवं आम नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि की जानकारी तत्काल प्रशासन को दें, ताकि जिले में धान खरीदी व्यवस्था निष्पक्ष, पारदर्शी और सुचारु रूप से संचालित की जा सके।

पिकअप चालक ने विद्युत पोल को मारा टक्कर, कार क्षतिग्रस्त

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। ग्राम पंचायत डेडरी में आज एक पिकअप चालक ने विद्युत पोल को टक्कर मार दिया। जिससे दो विद्युत पोल गिरने से एक कार क्षतिग्रस्त हो गई और घर के सामने रखे किसान के पैरावट में आग लग गई थी। घटना के बाद गांव में अफरा तफरी की स्थिति निर्मित हो गई थी। गौरतलब है कि शनिवार की सुबह करीब साढ़े 10 बजे बिश्रामपुर की ओर से उदयपुर की ओर जा रहे पिकअप वाहन क्रमांक यूपी 64 बीटी 3530 के चालक ने तेज व लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए ग्राम पंचायत डेडरी में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल के समीप तिराहा के पास एक विद्युत पोल से टकरा गया था। दुर्घटना में दो विद्युत पोल टूटकर जमीन पर गिर गई थी, जिससे गांव के हरिवंश चक्रधारी के कार के ऊपर विद्युत पोल गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गई है और वहीं पास के हरिप्रसाद राजवाड़े के घर के सामने रखे करीब पांच ट्रैक्टर पैरावट में आग लग गई थी। दुर्घटना उपरांत आसपास लोगों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया गया लेकिन आग बुझने तक पैरावट पूरी तरह जलकर खाक हो चुकी थी। घटना के बाद गांव में दहशत व्याप्त हो गया था।

एकीकृत किसान पोर्टल पर 15 से 31 जनवरी होंगेअहम सुधार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ शासन के कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने एकीकृत किसान पोर्टल पर कृषकों के पंजीयन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कार्यों के लिए समय-सीमा निर्धारित की है।

जारी आदेश के अनुसार, राजस्व विभाग द्वारा किए गए भौतिक सत्यापन के उपरांत विवरण संशोधन की सुविधा को 07 जनवरी तक सभी समितियों में लॉगिन के माध्यम से उपलब्ध करा दिया गया है। इसके अतिरिक्त, कृषकों के खसरा, रकबा सुधार, कैरी फारवर्ड, फसल विवरण प्रविष्टि, नवीन पंजीयन एवं संशोधन जैसे कार्यों को समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।आदेश में कैरी फारवर्ड एवं वन अधिकार पट्टाधारी कृषकों का नवीन पंजीयन 15 जनवरी तक, सभी प्रकार के संशोधन 31 जनवरी तक, त्रुटिपूर्ण आधार के प्रकरण में पूर्व पंजीयन निरस्त कर नवीन पंजीयन 15 जनवरी तक तथा राजस्व विभाग की जांच व भौतिक सत्यापन के आधार पर कलेक्टर की अनुशंसा से नवीन पंजीयन 15 जनवरी तक किया जाएगा। कलेक्टर एस जयवर्धन ने संबंधित अधिकारियों एवं समितियों के माध्यम से इन कार्यों की सतत निगरानी सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सीमा में पंजीयन कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं।

मनुष्य को स्वावलंबी बनकर करना चाहिए रोजगार मूलक कार्य : उपाध्याय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शा. उ. मा.वि.रामानुज नगर के विशेष सात दिवसीय शिविर ग्राम छिंदिया में बौद्धिक चर्चा के दौरान पहुंचे डीएमसी मनोज साहू, पूर्व कार्यक्रम अधिकारी व राज्यपाल पुरस्कार से

रा. से. यो. पंचम दिवस हुआ बौद्धिक चर्चा कार्यक्रम

पुरस्कृत नागेंद्र उपाध्याय एवं शालेय शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष यादवेंद्र दुबे अतिथि के तौर पर उपस्थित रहे।

सर्वप्रथम कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नागेंद्र उपाध्याय एवं अध्यक्ष मनोज साहू ने विवेकानंद जी के छायाचित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। श्री उपाध्याय ने अपने उद्बोधन में स्वयंसेवकों को स्वावलंबी बनने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आप लोग स्वावलंबी बनकर रोजगार मूलक कार्य करना चाहिए। मनोज साहू ने स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात करने की बात कही।उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन अध्ययन और चिंतन का समय होता है। ऐसे समय में भी आप समाज सेवा के साथ साथ अपने व्यक्तित्व का विकास कर सकते हैं। मनुष्य को ऐसा कार्य करना चाहिए कि वह घर के लिए, समाज के लिए एक मिसाल बन जाए। यादवेंद्र दुबे ने कहा कि मनुष्य को अपने मातृभूमि व धर्म से सदैव प्रेम होना चाहिए। उन्होंने गीता को आदर्श मानकर कहा कि आप सभी लोगों को गीता का अध्ययन करना चाहिए। धार्मिक किताबों के साथ-साथ इतिहास का अध्ययन करने पर जोर देते हुए कहा कि विकसित राष्ट्र की कल्पना आप अच्छी किताबों के अध्ययन तथा उच्च विचार और सच्ची लगन से ही कर सकते हैं। अंत में मुख्य अतिथि महोदय एवं अध्यक्ष महोदय ने सभी स्वयंसेवकों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन राष्ट्रीय सेवा योजना के सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्याम सिंह मरावी ने किया।कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी दिलीप कुमार शर्मा द्वारा किया गया।

विज्ञान का सदुपयोग करें दुरूपयोग ना करें।समाज में मोबाइल के दुरुपयोग को रोकने पर विशेष बल दिया और कहा कि मनुष्य को किसी न किसी तरह से

जिले में चावल उत्सव और उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह का हुआ आयोजन

49955 राशन कार्ड धारकों को चावल, शक्कर, चना व नमक किया गया वितरित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना के 25 वर्ष पूरे होने पर शासन रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इसी क्रम में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग को 02 से 9 जनवरी तक विभागीय गतिविधियों के आयोजन किया जाना था।

जिसके तारतम्य में जिले के समस्त शासकीय उचित मूल्य दुकानों में चावल उत्सव तथा उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया है इस अवसर पर उचित मूल्य दुकानों में स्थानीय जनप्रतिनिधियों जिला पंचायत अध्यक्ष सदस्य, जनपद सदस्य सरपंच, पार्षद, पंच तथा निगरानी समिति के सदस्यों की उपस्थिति में चावल उत्सव का आयोजन कराया गया चावल उत्सव सप्ताह के दौरान जिले के 49955 राशन कार्ड धारकों को 15806.86 क्विंटल चावल, 469.21 क्विंटल शक्कर, 936.3 क्विंटल नमक तथा 609.63 क्विंटल चना का वितरण किया गया। इसी प्रकार 2 से 09 जनवरी के दरम्यान 1920 राशनकार्ड सदस्यों का ईकेवाईसी पूर्ण किया गया। उपभोक्ता जागरूकता सप्ताह में जिले के विभिन्न गैस एजेंसियों के माध्यम

से आम जनों को उनके ऊपर उपभोक्ता अधिकारों के बारे में जानकारी दिया गया उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 विधिक माप विज्ञान तथा खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग के प्रावधानों के बारे में उपभोक्ताओं को विस्तार से जानकारी दिया गया इस अवसर पर उपभोक्ता के 6 अधिकारों के बारे में लोगों को विशेष रूप से जागरूक किया गया साथ ही पैकेट बंद वस्तुओं के पोषक मूल्य अधिकतम खुदरा मूल्य शाकाहारी उत्पाद के पहचान करने के संकेतकों के बारे में जानकारी दिया गया। उपभोक्ताओं को प्रत्येक खरीदे गए वस्तुओं मशीनों इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के पक्के बिल के साथ वारंटी कार्ड एवं उनके टर्म कंडीशन को भली भांति पढ़ने के सुझाव भी दिए गए आम जनों को बीस हॉलमार्क युक्त गहने इस सर्टिफिकेशन ऊर्जा दक्षता ब्यूरो के स्टार रेटिंग तथा विभाग के जागो ग्राहक जागो पल के बारे में जानकारी दिया गया।

इस अवसर पर जिले के गैस एजेंसी द्वारा गैस रिफिल के दौरान गैस के सेफ्टी वाल्व तथा उसके वजन कर कर लेने दौरान मीटर रीडिंग जीरो करने घनत्व की जांच करने तथा 5 लीटर के मेजरिंग केन से सत्यापन करने संबंधी उनके एवं सुरक्षा संबंधी सावधानियां कब डेमोंस्ट्रेशन किया गया पेट्रोल पंप में ईंधन भरवाने के अधिकारों का जानकारी दिया गया साथ ही गैस वितरकों के द्वारा 83 नवीन प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन का वितरण कराया गया है। स्टेट वेयरहाउसिंग कॉर्पोरेशन शाखा बिश्रामपुर में पण्डो नगर गोदाम के कर्मचारियों तथा हमालों, वाहन चालकों को उनके उपभोक्ता अधिकारों के बारे में जागरूक किया गया।

बकाया फीस सूची के बदले डिफाल्टर लिस्ट लिखकर प्रबंधन ने किया सार्वजनिक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। नगर के डीएवी पब्लिक स्कुल में विभिन्न कक्षाओं में अध्ययन कर रहे बच्चों की इस सत्र की बकाया फीस पटाने हेतु स्कूल प्रबंधन ने लिस्ट सार्वजनिक की है। लिस्ट में 15 जनवरी तक पूरी बकाया फीस पटाकर एडमिट कार्ड प्राप्त करने की बात लिखी गई है। जारी की गई लिस्ट में स्कूली बच्चों के साथ अभिभावकों के नाम भी लिखे गए हैं, जिसकी हेडिंग में बकाया फीस या पेंडिंग फीस लिस्ट लिखने की बजाए स्कुल प्रबंधन ने डिफाल्टर लिस्ट लिखकर अलग अलग व्हाट्सप्प ग्रुप में डालकर शनिवार को नाम सार्वजनिक कर दिए। जिसके कुछ ही देर बाद अभिभावकों में भारी नाराजगी देखने को मिली। डिफाल्टर लिस्ट हेडिंग लिखे जाने पर अभिभावकों ने कड़ा विरोध जताते हुए स्कुल प्रबंधन पर जानबूझकर बेइज्जत करने व नीचा दिखाने का आरोप लगाया है। हालांकि मामला तूल पकड़ने पर स्कुल प्रबंधन ने घटना का खंडन करते हुए सभी वाट्सऐप ग्रुपों में अपनी सफाई देते हुए मानवीय भूल बताकर माफी मांग ली है। गौरतलब है कि डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की विभिन्न कक्षाओं की फीस साल की तीन किश्तों या तिमाही में ली जाती है। इस सत्र की भी यही प्रक्रिया रही है। फरवरी माह में होने वाली फाइनल परीक्षा होने से पहले 15 जनवरी तक सभी विद्यार्थियों की फीस जमा कराकर स्कुल प्रबंधन द्वारा एडमिट कार्ड जारी करना है। इसी हड़बड़ाहट में स्कुल प्रबंधन ने सभी कक्षाओं की स्कुल फीस बकायादारों की लिस्ट जारी कर त्रुटिवश डिफाल्टर लिखकर अभिभावकों के नाम सार्वजनिक कर दिए हैं। मामले में स्कुल प्रबंधन ने सफाई देते हुए अपना पक्ष रखा है लेकिन अभिभावकों की नाराजगी अभी कम नहीं हुई है। ज्ञात हो कि डीएवी पब्लिक स्कुल में इस सत्र की तिमाही स्कुल फीस पटाने की अंतिम तिथि 15 जनवरी रखी गई है, लेकिन अंतिम तिथि के पांच दिन पूर्व 10 जनवरी शनिवार को ही डिफाल्टर लिस्ट लिखकर अभिभावकों के नाम सार्वजनिक कर दिए गए, जिससे अभिभावकों में नाराजगी देखने को मिल रहा है। अभिभावकों के अनुसार अंतिम निर्धारित तिथि से पहले ही डिफाल्टर शब्द लिखकर नाम सार्वजनिक कर दिए गए, जो न्याय संगत नहीं है। बताया जा रहा है कि नाराज अभिभावक सोमवार को पेरेंट्स एसोसिएशन के सदस्यों के साथ स्कुल की प्राचार्या से भेंट करने पहुंचेगे। साथ ही उचित कार्यवाही हेतु एक लिखित शिकायत पत्र स्कुल के चेयरमैन महाप्रबंधक एसईसीएल बिश्रामपुर, जिला शिक्षा अधिकारी सूरजपुर एवं डीएवी मैनेजमेंट कमेटी दिल्ली को देने की बात कही जा रही है। इस संबंध में डीएवी पब्लिक स्कूल बिश्रामपुर की प्राचार्य अनामिका भारती ने कहा कि स्कुल फीस बकायादारों की सूची बनाने में ऑफिस क्लर्क द्वारा हेडिंग बनाने में टाइपिंग गलती हो गई है। स्कुल प्रबंधन का इरादा किसी भी अभिभावक की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का नहीं है। फाइनल परीक्षा के लिए सभी विद्यार्थियों को समय से एडमिट कार्ड जारी करना हमारा मकसद है। मानवीय भूल होने पर गलती सुधारकर ली गई है।

जिले में अनमैप मतदाताओं के दस्तावेजों का शुरू हुआ सत्यापन

तीनों विधानसभा के 980 मतदान केंद्रों में जारी है दावा-आपत्ति व सुनवाई की प्रक्रिया

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार एसआईआर 2026 कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में मतदाता सूची अद्यतन करने की प्रक्रिया तेजी से जारी है। अर्हता तिथि 01 जनवरी के आधार पर जिले के तीन विधानसभा क्षेत्र प्रेमनगर, भटगांव एवं प्रतापपुर के कुल 980 मतदान केंद्रों तथा अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, तहसीलदार, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालयों में निर्वाचक नामावली का प्रारंभिक प्रकाशन 23 दिसंबर को किया गया है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के सुनवाई चरण में प्रारंभिक प्रकाशन के पश्चात दावा आपत्तियों का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस दौरान निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों द्वारा सभी अनमैप मतदाताओं को नोटिस जारी कर निर्धारित तिथियों पर सुनवाई की जा रही है। मतदाताओं की पात्रता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उनके द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों का जिला स्तरीय सत्यापन टीम द्वारा संबंधित प्राधिकृत अधिकारियों से जांच उपरांत सत्यापन किया जा रहा है। वहीं, राज्य से बाहर जारी दस्तावेजों को मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, छत्तीसगढ़ रायपुर के माध्यम से अन्य राज्यों को सत्यापन हेतु भेजा जा रहा है। सभी संबंधित मतदाताओं से अपील की है कि वे निर्धारित तिथि पर उपस्थित होकर आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करें, ताकि मतदाता सूची को शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके।

संपर्क करें
समाचार, ईश्तहार, विज्ञापन हेतु संपर्क करें।
दैनिक छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन
गौरव पथ, गुरूद्वारा के पास बाबूपारा अम्बिकापुर
मो. 7566950555
9713108088

सरगुजा फ्रंटलाइन

125 दिन रोजगार का दावा जुमला साबित होगा, मजदूरों के हितों पर होगा कुठाराघात

पूर्व मंत्री ने कहा-मनरेगा के नाम परिवर्तन को लेकर कांग्रेस पूरे देश में 45 दिनों तक करेगी आंदोलन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। केन्द्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) का नाम परिवर्तन और उसके मूल प्रावधानों में बदलाव को लेकर कांग्रेस का विरोध लगातार जारी है। शनिवार को अंबिकापुर स्थित राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह ने इन बदलावों के परिप्रेक्ष्य में कहा यूपीए सरकार ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना बिल को वर्ष 2005 में पारित करके ग्रामीण मजदूरों को रोजगार की संवैधानिक गारंटी दी थी, इसे केंद्र सरकार ने भ्रष्टाचार का ताबूत कहा। हाल में एनडीए सरकार ने न केवल इस योजना के मूलभूत प्रावधानों को बदला, बल्कि देश की आजादी के नायक महात्मा गांधी के नाम से रखे गए योजना का नाम बदल कर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण कर दिया, जो गरीबों के अधिकारों को समाप्त करने वाला कदम है।

डॉ. प्रेमसाय सिंह ने आरोप लगाया मोदी सरकार ने न केवल योजना के मूल प्रावधानों को कमजोर किया है, बल्कि महात्मा गांधी के नाम पर संचालित योजना का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण कर दिया है। नई योजना में काम की संवैधानिक गारंटी समाप्त कर दी गई है। ग्राम पंचायतों के अधिकार भी छीने जा रहे हैं और काम के आवंटन का अधिकार केन्द्र सरकार अपने पास रख रही है। नए प्रावधानों के तहत न्यूनतम मजदूरी की गारंटी भी समाप्त हो जाएगी और मजदूरी दर तय करने का अधिकार सरकार के पास होगा। साथ ही, बजट आवंटन को 60-40 के अनुपात में केन्द्र और राज्य सरकारों पर डाल दिया गया है, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर राज्य इस योजना के क्रियान्वयन में रुचि नहीं लेंगे। इससे ग्रामीण रोजगार पूरी तरह समाप्त होने की आशंका है और 100 से 125 दिन रोजगार बढ़ाने का दावा भी जुमला साबित होगा। डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा कि नई योजना में फसल अवधि के दौरान रोजगार पर प्रतिबंध लगाया गया है, जिससे बड़ी संख्या में भूमिहीन मजदूर प्रभावित होंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा को कमजोर करना कारपोरेट हितों को साधने की नीति का हिस्सा है। केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत नई योजना ग्रामीण मजदूरों के हितों पर कुठाराघात है। वर्ष 2008-09 की वैश्विक आर्थिक मंदी हो या कोविड का दौर, मनरेगा के माध्यम से ही देश की अर्थव्यवस्था सुचारु रूप से चल रही थी। कैग की ऑडिट सहित विश्व भर में किए गए 200 अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि मनरेगा देश की एक सफल और प्रभावी योजना थी। प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक, लक्ष्मी गुप्ता, मो. इस्लाम, अनूप मेहता, शैलेन्द्र प्रताप सिंह, इंद्रजीत सिंह धंजल सहित अन्य उपस्थित थे।

मोदी सरकार तय करेगी, कहां काम देना है

डॉ. प्रेमसाय सिंह ने कहा पहले देश की प्रत्येक ग्राम पंचायत को यह अधिकार था कि वो काम की मांग के आधार पर काम को स्वीकृति दे, लेकिन नए प्रावधान के माध्यम से अब मोदी सरकार तय करेगी कि कहां काम देना है और कहां नहीं। इस बदलाव से न्यूनतम मजदूरी की गारंटी समाप्त हो जाएगी और सरकार को मनमाने ढंग से मजदूरी तय करने का अधिकार होगा। संभावना ठेकेदारों के लिए प्रतिबंधित इस कार्य में अब ठेकेदारों को भी प्रवेश देने की है। कांग्रेस मांग करती है कि सरकार न केवल मनरेगा को बहाल करे, साथ ही साथ न्यूनतम मजदूरी की दर 400 रुपये प्रति कार्य दिवस करे।

मनरेगा की मूल आत्मा को कर दिया समाप्त-शफी अहमद

बलरामपुर। स्थानीय राजीव भवन कांग्रेस कार्यालय में मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के तहत प्रेस वार्ता में कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी शफी अहमद ने केंद्र की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने मनरेगा की मूल आत्मा को ही समाप्त कर दिया है और श्रमिकों से काम का अधिकार छीनने की दिशा में कदम उठाया जा रहा है। मनरेगा कानून में किया गया परिवर्तन पूरी तरह से श्रमिक-विरोधी है। रोजगार गारंटी योजना को कमजोर किया गया है। पहले यह संविधान से जुड़ी अधिकार आधारित गारंटी थी, लेकिन अब इसे शर्तों वाली और केंद्र सरकार के नियंत्रण में रहने वाली योजना में बदल दिया है।

शफी अहमद ने कहा कि मनरेगा गांधी जी के ग्राम स्वराज, काम की गरिमा और विकास के सपने का जीवंत उदाहरण था। दो दशकों से यह योजना ग्रामीण गरीबों के लिए जीवनरेखा रही है, कोरोना काल में आर्थिक सुरक्षा का सबसे बड़ा सहारा साबित हुई। प्रदेश प्रभारी ने आरोप लगाया कि पहले मनरेगा के तहत काम देना कानूनन बाध्यता थी, जिसे अब सरकार की मर्जी पर निर्भर योजना बना दिया गया है। नया सिस्टम हर साल तय अवधि के लिए काम बंद करने की छूट देता है, जिससे गरीबों को यह तय नहीं रहेगा कि वे कब कमाएंगे और कब भूखे रहेंगे फसल के मौसम के नाम पर मजदूरों को महीनों तक काम से वंचित किया जा सकता है। उन्होंने कहा छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार बनने के बाद 70 प्रतिशत गांवों में अघोषित रूप से काम बंद है। पिछले 11 वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर औसतन मात्र 38 दिन का ही रोजगार दिया गया है, यानी किसी भी साल 100 दिन का वादा पूरा नहीं हुआ। पहले हर परिवार को गांव में 100 दिन का कानूनी रोजगार, न्यूनतम मजदूरी की गारंटी, पंचायत स्तर पर काम और मेट-रोजगार सहायकों की मदद मिलती थी, इसे खत्म किया जा रहा है और मजदूरी से लेकर काम की जगह तक सरकार तय करेगी। मनरेगा गरीबों की जीवनरेखा थी, लेकिन भाजपा सरकार इसे समाप्त करने पर तुली हुई है। कांग्रेस पार्टी इस जनविरोधी फैसले के खिलाफ संघर्ष जारी रखेगी और मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक आवाज उठाएगी। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रिपुजित सिंह के अलाव अब्दुल्ला खान, राजेन्द्र भगत, प्रशांत विश्वास, जनपद सदस्य समीर सिंह देव व सीबी सिंह, सागर सिंह, संजीत गुप्ता (मुन्ना), रामदेव जगते, बुद्धदेव सिंह पोया, राजा चौबे सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

श्री श्याम लाड़ला परिवार का भव्य भजन संध्या कार्यक्रम 17 को

लोकप्रिय भजन गायक कन्हैया मित्तल सहित अन्य का होगा आगमन

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। 'जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे' लोकप्रिय भजन के गायक कन्हैया मित्तल का पहली बार अंबिकापुर आगमन श्री श्याम लाड़ला परिवार द्वारा शहर के गांधी स्टेडियम में आयोजित भव्य भजन संध्या कार्यक्रम में 17 जनवरी, शनिवार को होगा। कार्यक्रम के लिए भव्य तैयारियां की रूपरेखा तय कर ली गई है। भजन संध्या कार्यक्रम में इनके अलावा कलकत्ता के लव अग्रवाल, रायपुर से सुरेश राजस्थानी एवं सूरजपुर से पप्पू महराज का आना होगा।

आयोजन समिति से जुड़े पदाधिकारियों व श्री श्याम लाड़ला परिवार के अध्यक्ष राहुल गर्ग, उपाध्यक्ष रवि अग्रवाल ने होटल ग्रैंड बसंत में आयोजित प्रेस वार्ता में कार्यक्रम से संबंधित जानकारी को साझा करते हुए बताया कि भव्य कार्यक्रम के लिए आयोजन समिति ने प्रशासन से भी सहयोग का आग्रह किया है। भजन संध्या कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ सहित अन्य जगहों से भी श्रद्धालुओं का पहुंचना होगा, ऐसे में 7 से 8 हजार लोगों के कार्यक्रम में पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है। गांधी स्टेडियम में आयोजित भजन कार्यक्रम की शुरुआत 17 जनवरी को शाम 6 बजे से होगी। इसके पहले शाम 5 बजे से पूजा व शीष शृंगार की शुरूआत होगी। स्टेडियम के दो गेट जिला न्यायालय के सामने का मुख्य प्रवेश द्वार और दुर्गा मंदिर के बगल का प्रवेश द्वार कार्यकम में शामिल होने के लिए आने वाले भजन प्रेमियों के लिए खोले जाएंगे। पार्किंग के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज, स्वामी विवेकानंद स्कूल और सरस्वती शिशु मंदिर के परिसर में व्यवस्था की गई है। पॉलीटेक्निक कॉलेज परिसर में वाहनों की होने वाली पार्किंग और कार्यक्रम स्थल की दूरी को देखते हुए श्री श्याम लाड़ला परिवार की ओर से ई-रिक्शा की सुविधा सुनिश्चित की गई है। कार्यक्रम स्थल में उम्रदराज लोगों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसे देखते हुए समुचित बैठक व्यवस्था की जाएगी। इस दौरान विभिन्न सामाजिक और धार्मिक संगठनों की ओर से भंडारे के आयोजन की भी तैयारी की जा रही है। आयोजन समिति श्री श्याम लाड़ला परिवार ने लोगों से बड़ी संख्या में सपरिवार कार्यकम में शामिल होने का आह्वान किया है। इस दौरान मुकेश गोयल, कैलाश अग्रवाल, अंकुर अग्रवाल, अंकित सिंघल, अभिषेक अग्रवाल, सतीश अग्रवाल, राजू अग्रवाल, गौरव केडिया, मनीष अग्रवाल, राहुल अग्रवाल उपस्थित थे।

लकड़ी फाड़ते समय युवक हुआ बेहोश, हो गई मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। लकड़ी फाड़ते समय युवक अचानक बेहोश हो गया, स्वजन उसे होली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां जांच के बाद चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने युवक के शव को पोस्टमार्टम के बाद स्वजन के सुपुर्द कर दिया है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम टपरकेला निवासी कलम साय पिता स्व. हुकुम साय (70) के छोटे पुत्र ओम प्रकाश पोर्ते (43) को शुगर की बिमारी था। इसका इलाज वह स्वयं करा रहा था। 9 जनवरी को सुबह करीब 7 बजे कलम साय लकड़ी फाड रहा था, इसी दौरान उसका पुत्र ओम प्रकाश अपने दूसरे घर से पत्नी के साथ आया और अपने पिता को लकड़ी फाड़ते देखकर बोला कि आप घर जाओ, मैं लकडी फाड़ दूंगा। इसके बाद कलम साय अपने पुत्र को कुल्हाड़ी देकर घर आ गया, गांव का सेवा वहीं पास में मौजूद था। करीब 10 मिनट बाद शोरगुल होने पर जब कलम साय घर से बाहर निकला तो ओम प्रकाश बेहोशी की हालत में पड़ा था, बातचीत नही कर रहा था। स्वयं के साधन से वे उसे होली क्रॉस अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां इमरजेंसी वार्ड में जांच के बाद चिकित्सक ने मौत की पुष्टि की। मृत्यु का कारण अज्ञात होने की स्थिति में पुलिस ने युवक के शव का पोस्टमार्टम कराया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत की अटूट आस्था और राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक-सिसोदिया

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सोमनाथ मंदिर पर वर्ष 1026 में हुए पहले अभिलिखित आक्रमण के 1000 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर सोमनाथ स्वाभिमान पर्व को भारत की अटूट आस्था, सांस्कृतिक स्वाभिमान और सनातन चेतना के प्रतीक के रूप में मनाया जा रहा है। यह पर्व केवल एक ऐतिहासिक स्मरण नहीं, बल्कि राष्ट्र की आत्मा, आस्था और पुनर्जागरण का उत्सव है। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के कार्यकर्ताओं द्वारा जिले के विभिन्न मंदिरों में पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक, पूजन एवं आरती कर राष्ट्र, समाज और धर्म की अखंडता के लिए प्रार्थना की गई।

इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया के आह्वान पर जिले के सभी भाजपा मंडल स्थित शिव मंदिरों में जलाभिषेक एवं आरती की गई। अंबिकापुर महामाया मंडल एवं समलाया मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने जोड़ा पीपल एवं सत्तीपारा स्थित मंदिरों में भगवान शिव की विधिवत पूजा-अर्चना की। सोमनाथ मंदिर का उल्लेख करते हुए भारत सिंह सिसोदिया ने कहा कि सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि भारत की आत्मा, अस्मिता और अदम्य साहस का प्रतीक है। बार-बार आक्रमणों के बावजूद सोमनाथ का पुनर्निर्माण यह संदेश देता है कि भारत की आस्था को कभी समाप्त नहीं किया जा सकता। स्वाभिमान पर्व हमारी आने वाली पीढ़ियों को सांस्कृतिक चेतना से जोड़ने का माध्यम है। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं भाजपा कोरिया जिला प्रभारी ललन प्रताप सिंह ने कहा कि सोमनाथ का इतिहास भारत के संघर्ष, धैर्य और पुनर्जागरण की गाथा है। यह पर्व हमें स्मरण कराता है कि जब-जब आस्था पर प्रहार हुआ, तब-तब भारत ने और अधिक मजबूती के साथ स्वयं को खड़ा किया। वहीं जगदलपुर संभाग सह प्रभारी हरपाल सिंह भामरा ने कहा कि सोमनाथ स्वाभिमान पर्व राष्ट्रवादी चेतना को सशक्त करने वाला पर्व है। यह हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और सनातन मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है। ऐसे आयोजन समाज को एक सूत्र में बांधता है। इस अवसर पर जिला महामंत्री विनोद हर्ष, पूर्व महामंत्री अभिमन्यु गुप्ता, निगम के सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, इंदर भगत, विकास पांडेय, मधु चौदहा, निलेश सिंह, मनीष सिंह, जन्मजेय मिश्रा, रूपेश दुबे, कमलेश तिवारी, शशिकांत जायसवाल, राकेश गुप्ता, सावित्री जायसवाल, संजीव वर्मा, रामप्रवेश पांडे, निरंजन राय, रमेश जायसवाल, विशाल गोस्वामी, ममता तिवारी, आलोक दुबे, अशोक सोनवानी, शकुन्तला पांडे, अभिषेक सिंहदेव सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शिव मंदिर में सरगुजा सांसद सहित सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

उदयपुर। प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार सोमनाथ स्वाभिमान वर्ष अंतर्गत शनिवार को उदयपुर स्थित शिव मंदिर में जलाभिषेक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सरगुजा सांसद चिंतामणि महाराज, शनिवार दोपहर करीब 12 बजे उदयपुर पहुंचे। उन्होंने भाजपा के स्थानीय पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विधि-विधान से शिवलिंग पर जलाभिषेक किया। जलाभिषेक कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

इसके पश्चात सांसद चिंतामणि महाराज ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से संवाद करके उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुना। उन्होंने आश्वस्त किया कि जनसमस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाएगा। इस दौरान उदयपुर क्षेत्र के एक शिक्षक के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति नहीं मिलने की शिकायत सामने आने पर सांसद ने मौके से ही जिला शिक्षा अधिकारी एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी से दूरभाष पर चर्चा करके तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। सांसद चिंतामणि महाराज शोकाकुल बाबूराम अग्रवाल के निवास पहुंचे और स्वजन को ढांढस बंधाया। जलाभिषेक एवं जनसंपर्क कार्यक्रम के बाद सांसद दोपहर लगभग 12.30 बजे रायपुर के लिए रवाना हो गए। इस अवसर पर रामगढ़ मंडल अध्यक्ष प्रबोध सिंह, देवगढ़ मंडल अध्यक्ष अखंड विधायक सिंह, राधेश्याम सिंह ठाकुर, चंद्र बसु यादव, अनिल सिंह, कल्पना भदौरिया, प्रमिला पोर्ते, दीपक सिंघल, मनीष, आशीष अग्रवाल, बुधमोहन सिंह, आकाश जायसवाल, डालेश्वर यादव, मड़वारी सिंह, विजय यादव, विनोद नेटी, कमलेश जायसवाल, बनारसी दास, शुभम भदौरिया, बिट्टू मरकाम सहित महिला मोर्चा, महिला मंडल एवं भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसी भी बंदी को विधिक सहायता से वंचित ना रखा जाए

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने केंद्रीय जेल का किया निरीक्षण

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सरगुजा के.एल. चरयाणी ने शुक्रवार को केंद्रीय जेल अंबिकापुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण दौरान उन्होंने जेल की व्यवस्थाओं का अवलोकन करते हुए भोजन की गुणवत्ता एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने कहा। उन्होंने बंदियों द्वारा तैयार पेंटिंग, शिल्पकला, पंजियों, लिफाफे का अवलोकन किया तथा बंदियों को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सुविधा सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि बंदियों द्वारा विधिक सहायता हेतु इच्छुक होने पर त्वरित नियमानुसार किया जाए, किसी भी बंदी को विधिक सहायता से वंचित ना रखा जाए। इच्छुक बंदियों के संबंध में अपील पुनरीक्षण सहित प्रकरण की परिस्थिति अनुसार जेल प्रशासन सभी बंदियों को विधिक सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया का पालन करें। उन्होंने महिला बैरक का निरीक्षण कर महिला बंदियों एवं उनके बच्चों से मुलाकात कर उनकी समस्या के संबंध में जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पल्लव रघुवंशी, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लीनम बनसोड़े एवं जेल अधिकारी उपस्थित रहे।

अवैध धान संग्रहण पर कार्रवाई, 460.80 क्विंटल धान जप्त

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। जिले में अवैध धान संग्रहण एवं कारोबार पर रोक लगाने के उद्देश्य से खाद्य विभाग एवं मंडी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान शनिवार को विभिन्न व्यापारिक प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध धान के प्रकरण दर्ज कर धान जप्ती की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए संग्रहित धान पाए जाने पर संबंधित व्यापारियों के विरुद्ध प्रकरण बनाया गया। जांच में हनुमंत ट्रेडर्स, असोला से 288 क्विंटल, केसरवानी ट्रेडर्स, परसा से 116 क्विंटल तथा विकास ट्रेडर्स, सोनपुरकला से 56.8 क्विंटल धान जप्त किया गया। इस प्रकार कुल 460.80 क्विंटल अवैध धान जप्त किया गया है। खाद्य विभाग एवं मंडी टीम द्वारा मौके पर दस्तावेजों की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की गई तथा जप्त धान को सुरक्षित अभिरक्षा में लिया गया। अधिकारियों ने बताया यह कार्रवाई शासन के निर्देशानुसार धान खरीदी व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने तथा अवैध भंडारण एवं व्यापार पर प्रभावी नियंत्रण के लिए की गई है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि अवैध धान संग्रहण, परिवहन अथवा व्यापार में संलिप्त पाए जाने वालों के विरुद्ध आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। व्यापारियों से अपील की गई है कि वे शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करें।

बिना वाइब्रेट किए हो रही ढलाई, पशु चिकित्सालय भवन की गुणवत्ता सवालों के घेरे में

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। नगर पंचायत जरही में लाखों रुपये की लागत से निर्माणाधीन पशु चिकित्सालय भवन की गुणवत्ता को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। भवन निर्माण में मानकों की खुलेआम अनदेखी की बातें सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में लंबे समय से की जा रही मांग को देखते हुए प्रतापपुर विधायक द्वारा नगर पंचायत जरही को पशु चिकित्सालय की सौगात दी गई, ताकि आसपास के ग्रामीणों को पशु उपचार की बेहतर सुविधा मिल सके। इधर ठेकेदार की मनमानी के चलते घटिया निर्माण की तस्वीर सामने आ रही है। कांक्रीट ढलाई के दौरान भवन के पिलर, बाउंड्रीवाल एवं अन्य संरचनाओं में वाइब्रेटर मशीन का उपयोग नहीं किया गया। ठेकेदार के मजदूर बांस और लकड़ी से कांक्रीट जमाने का काम कर रहे हैं, जो सीधे तौर पर निर्माण मानकों का उल्लंघन है। इससे भवन की मजबूती और उम्र पर बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। जानकारी के मुताबिक पशु चिकित्सालय का निर्माण ऐसे स्थान पर किया जा रहा है जहां आम लोगों की आवाजाही कम रहती है, इसका फायदा उठाकर ठेकेदार खुलेआम नियमों को ताक पर रखकर काम कर रहा है। न तो कार्य की नियमित निगरानी हो रही है और न ही तकनीकी मानकों का पालन किया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि भवन का अधिकांश ढलाई कार्य पहले ही पूरा कर लिया गया है। शुरुआत से ही निर्माण में सामने आई लापरवाही को देखते हुए यह भवन कितने दिनों तक टिक पाएगा, इसकी चर्चा हो रही है। क्षेत्रवासियों ने निर्माण कार्य की तत्काल तकनीकी जांच कराने की मांग की है, जिससे सरकारी राशि की बर्बादी रोकी जा सके और सुरक्षित व टिकाऊ भवन मिल सके।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दरीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर